दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सरकार और विपक्ष मिलकर जनहित और देशहित के मुद्दों पर करें चर्चा: मायावती 5

25 रन बनाते ही कप्तान शुभमन गिल रच देंगे नया इतिहास... 6

नवीन विधायक विश्राम गृह का नवनिर्माण आधुनिक प्रक्रियाओं के साथ भविष्य की ओर अग्रसर होने के भाव को दर्शाता है : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की नवीन विधायक विश्राम गृह के द्वितीय चरण के निर्माण की घोषणा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में सिंहावलोकन की परंपरा रही है। पिछले अनुभवों की समीक्षा करते हुए भविष्य की कार्य योजना बनाना और उसका क्रियान्वयन सुखद और सफलता प्रदान करने वाला रहता है। समय की मांग के अनुरूप हो रहा विधायक विश्रामगृह का नवनिर्माण आधुनिक प्रक्रियाओं के साथ भविष्य की ओर अग्रसर होने के भाव को दर्शाता है। भवन निर्माण और वास्तुकला के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों के उपयोग से बनने वाला यह भवन लोक कल्याण और जन सेवा के लिए विधायकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराएगा। राज्य सरकार ने विधायकों के कार्यालयों के आधुनिकीकरण के लिए बजट में 5-5 लाख रुपए के आवंटन का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन विधायक विश्रामगृह के द्वितीय चरण के निर्माण को भी स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नवीन विधायक विश्रामगृह के निर्माण कार्य के भूमि पूजन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य और विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में विधायक विश्राम गृह परिसर में नवीन विधायक विश्रामगृह के निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भी उपस्थित थे। नवीन विधायक विश्रामगृह लगभग 160 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा, इसमें सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ 102 फ्लैट्स का निर्माण प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भूमिपूजन के बाद शिलालेख अनावरण किया तथा भगवान श्रीराम और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन और वंदे मातरम गान के साथ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अगले स्वच्छता सर्वेक्षण में भोपाल को शीर्ष स्तर पर लाने का लक्ष्य रखा है। अगर कुछ कमियां हैं तो उन्हें दूर करेंगे। प्रदेश को नई-नई सौगातें मिल रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 11 साल में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे दुनिया चकित है। स्पेन सहित यूरोप में भारतीय संस्कृति, खानपान और पहनावे को वहां के लोग आदर के साथ आत्मसात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश का सिंचाई रकबा बढ़ रहा है, स्वच्छता की मुहिम चल रही है। सरकार विकास कार्यों को गति प्रदान करते हुए आगे बढ़ रही है।

ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सफल, दुनिया ने हमारा सैन्य सामर्थ्य देखा: पीएम

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले पीएम मोदी ने कहा कि यह मानसून सत्र देश के लिए बेहद गौरवपूर्ण है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के कदम रखने और ऑपरेशन सिंदूर में उसके पराक्रम का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इस दशक में शांति और प्रगति देखी गई, लाल गलियारा अब हरित विकास क्षेत्र में बदल रहा है। 2014 से पहले मुद्रास्फीति दर दहाई अंक में हुआ करती थी, अब यह लगभग दो प्रतिशत है। मुद्रास्फीति कम है और विकास दर ऊंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सांसदों और उनकी पार्टियों के विदेश दौरे की सराहना की और कहा कि उन्होंने सकारात्मक माहौल बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों के पराक्रम का बखान करते हुए सांसदों और विभिन्न राजनीतिक दलों से एकता का संदेश देने की

अपील की। आइए जानते हैं पीएम मोदी के संबोधन की बड़ी बातें...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मानसून नवाचार और नव सृजन का प्रतीक है। अब तक मिली खबरों के अनुसार, देश में यह मौसम बहुत अच्छा चल रहा है। कृषि के लिए लाभकारी मौसम की खबरें आ रही हैं। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम है। पिछले 10 वर्ष के मुकाबले इस बार का पानी भंडार तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा, संसद का यह मानसून सत्र विजय उत्सव जैसा है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का झंडा फहराया जाना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। सभी सांसद और देशवासी एक स्वर में इस उपलब्धि का गुणगान करेंगे। यह हमारे भविष्य के अभियानों के लिए प्रेरणादायी होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह मानसून सत्र विजय उत्सव है। पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति का पराक्रम देखा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना द्वारा निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के आकाओं के घरों को 22 मिनट के भीतर जमींदोज कर दिया गया। दुनिया मेड इन इंडिया सैन्य शक्ति के इस नए रूप की ओर बहुत आकर्षित हुई है। इन दिनों जब भी मैं दुनिया के लोगों से मिला हूं, भारत की ओर से बनाए जा रहे मेड इन इंडिया हथियारों के प्रति दुनिया का आकर्षण बढ़ रहा है।

जीआरएसई ने लॉन्च किया पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज अजय

भारतीय नौसेना को मिली नई ताकत

कोलकाता

समुद्र में दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए भारतीय नौसेना लगातार अपनी ताकतों में और इजाफा कर रही है। इसी बीच रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने सोमवार को भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर (एएसडब्लयू) शैलो वॉटर क्राफ्ट्स में से आखिरी जहाज अजय%को लॉन्च किया। यह जहाज कोलकाता में नौसेना के चीफ ऑफ मटेरियल वाइस एडमिरल किरण देशमुख की पत्नी प्रिया देशमुख ने लॉन्च किया।

बता दें कि जहाज अजय के लॉन्च के साथ ही इस परियोजना के सभी आठ शिप्स का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर वाइस एडमिरल देशमुख मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। जहाज के लॉन्चिंग पर जीआरएसई के एक अधिकारी ने बताया कि इन आठ जहाजों को खासतौर पर तटीय इलाकों में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये जहाज छोटे पानी के इलाकों (शैलो वॉटर) में भी आसानी से ऑपरेशन कर सकते हैं। इनकी लंबाई 77.6 मीटर और चौड़ाई 10.5 मीटर है। ये पोत तटीय इलाकों में पनडुब्बियों की निगरानी करने में पूरी तरह सक्षम हैं।

अधिकारी ने बताया कि इन जहाजों में हल्के टॉरपीडो, एएसडब्ल्यू (एएसडब्लयू) रॉकेट और माइन्स जैसे घातक हथियार लगे हैं।

रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले पुराने मार्ग पर भूस्खलन, एक श्रद्धालु की मौत, नौ घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के पुराने यात्रा मार्ग पर सोमवार सुबह भारी भूस्खलन हुआ, जिसमें एक श्रद्धालु की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह भूस्खलन त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा शहर में हुई भारी बारिश के कारण हुआ है। यह घटना सुबह लगभग 8.50 बजे बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में हुई। यह यात्रा का प्रारंभिक बिंदु है। यहां ज्यादातर टट्टू सवार पुराने मार्ग पर इकट्ठा होते हैं। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और चार फंसे हुए।

मैं विपक्ष का नेता, फिर भी मुझे बोलने नहीं दे रहे : राहुल

राहुल गांधी ने सरकार पर लगाया पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हंगामे और स्थगन के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष का नेता होने के बावजूद उन्हें लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राहुल ने संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा, रक्षा मंत्री और सरकार के अन्य लोगों को बोलने की इजाजत है, लेकिन विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं, बोलना मेरा अधिकार है, मुद्दे उठाना मेरा काम है, लेकिन वे मुझे बोलने नहीं दे रहे।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक नया तरीका अपना रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन से चले गए। अगर वे अनुमति दें तो चर्चा हो सकती है, लेकिन मुद्दा यह है कि परंपरा कहती है कि अगर सरकार के नेताओं को बोलने की अनुमति है, तो हमें भी जगह दी जानी चाहिए। हम बोलना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई।

इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करते हुए खड़े हो गए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वह प्रश्नकाल के बाद सदस्यों को ऑपरेशन सिंदूर सहित सभी मुद्दे उठाने की अनुमति देने के लिए तैयार हैं। प्रश्नकाल दिन का पहला घंटा होता है, जिसमें सदस्य विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से संबंधित प्रश्न उठाते हैं।

भोपाल के टीआई रूपेश दुबे ने पत्नी से विवाद के बाद खाया जहर, आईसीयू में भर्ती

भोपाल। राजधानी भोपाल में निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने शनिवार देर रात पारिवारिक विवाद के बाद जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद उन्हें गंभीर हालत में भोपाल के नेशनल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वे आईसीयू में हैं। जानकारी के अनुसार, दुबे का पत्नी से फोन पर विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। रूपेश दुबे वर्तमान में निशातपुरा थाने के प्रभारी हैं और थाने के पास ही एक किराये के कमरे में रहते हैं, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे कोलार स्थित उनके निजी मकान में रहते हैं।

आउटसोर्सिंग की व्यवस्था से अंधेरे में नौजवानों का भविष्य: अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा युवा विरोधी पार्टी है। प्रदेश का युवा बेरोजगार है। भाजपा सरकार ने सभी विभागों की नौकरियों को आउटसोर्स करके नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा कर दिया है। अखिलेश यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा साजिश के तहत विभागों का निजीकरण कर रही है। अब बिजली विभाग इस सरकार के निशाने पर है। बिजली व्यवस्था को अपने चहेतों को देकर सरकार बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी और आरक्षण से वंचित करने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण का मामला हो या मेडिकल और अन्य क्षेत्रों में, हर जगह युवा अपमानित किए जा रहे हैं। हक की मांग करने पर सरकार पुलिस से लाठीचार्ज कराकर युवाओं की आवाज दबा देती है। विभिन्न विभागों में बड़ी तादाद में पद भरे जाने हैं, पर इस दिशा में कुछ नहीं हो रहा है।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में

शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिधरी अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियां, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

कृषि मंत्री के वीडियो पर विवाद गहराया

लातूर में झड़प के बाद अजित पवार सख्त, एनसीपी युवा अध्यक्ष से मांगा इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के विधान भवन में गेम खेलने वाले वायरल वीडियो पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में अब महाराष्ट्र के लातूर जिले में रविवार को छावा संगठन और एनसीपी (अजित पवार गुट) के कार्यकर्ताओं के बीच हुई मारपीट के मामले को लेकर डिप्टी सीएम अजित पवार ने सख्त रुख अपनाया है। पवार ने इस हरकत को पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ बताते गुए एनसीपी युवा मोर्चा के अध्यक्ष सूरज चव्हाण से तुरंत इस्तीफा देने को कहा है। बता दें कि ये पूरा मामला तब खड़ा हुआ जब रविवार को लातूर में एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान छावा संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। वे राज्य के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे का विरोध कर रहे थे, जिनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

हमें मुंह खोलने के लिए मजबूर न करे, सुप्रीम कोर्ट की ईडी को लताड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को जमकर लताड़ लगाई और ईडी के कथित राजनीतिक रूप से इस्तेमाल होने को लेकर तीखी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सीएम की पत्नी के खिलाफ दायर ईडी की याचिका को खारिज कर दिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा। इस पर खुशी जताते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि आखिरकार न्याय हुआ और मुडा मामले का भी अंत हो गया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने ईडी की याचिका पर सुनवाई की।

भाषा पर हमला नहीं सहेंगे, 2026 में बीजेपी को बंगाल से बाहर करेंगे: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्य की सियासत में गर्माहट तेज है। राजनीतिक पार्टियों की तैयारी और उनके मुद्दे को लेकर आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को टीएमसी शहीद दिवस रैली में भाजपा के खिलाफ जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगालियों पर भाषाई आतंकवाद थोप रही है और अगर यह नहीं रुका तो यह विरोध आंदोलन दिल्ली तक पहुंचेगा। कोलकाता में भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराना जरूरी है, और इसके बाद केंद्र से भी भाजपा को हटाना होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे बंगाली अस्मिता (गौरव) के लिए एकजुट होकर लड़ें। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने एलान किया कि 27 जुलाई से राज्य में भाषा आंदोलन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा बंगाली भाषा और पहचान पर हो रहे हमलों के खिलाफ हमें आवाज उठानी होगी। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनआरसी नोटिस भेजे जा रहे हैं, लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं और डिटेंशन कैंपों में डाला जा रहा है।

बांग्लादेश वायुसेना का प्रशिक्षण विमान कॉलेज परिसर में गिरा, 20 लोगों की मौत, 171 घायल

ढाका। बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ-7 प्रशिक्षण विमान सोमवार को कॉलेज परिसर में हादसे का शिकार हो गया। विमान कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 170 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के वक्त माइलस्टोन कॉलेज में बच्चे मौजूद थे। प्लेन क्रैश होने के बाद स्कूल-कॉलेज में अफरातफरी मच गई। मौके पर अग्निशमन और बचाव दलों ने पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कर दिया है। नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट के अधिकारी प्रोफेसर मोहम्मद सईदुर रहमान ने बताया कि वायुसेना का विमान माइलस्टोन कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिसमें विमान के पायलट सहित कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी घटना की पुष्टि की है। सूचना मिलने पर बांग्लादेशी सेना के सदस्य, अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा की आठ गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया।

बांग्लादेश सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने बताया कि वायुसेना का प्रशिक्षण विमान एफ-7 बीजीआई ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया। अग्निशमन अधिकारी लीमा खान ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण विमान ने दोपहर लगभग 1:06 बजे उड़ान भरी थी और उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान में आग लग गई। आग बुझाने के लिए अग्निशमन दल की आठ दमकल मौके पर पहुंच गईं। माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज के प्रवक्ता ने कहा कि विमान स्कूल के गेट के पास गिरा। स्कूल परिसर में जहां विमान हादसा हुआ, वहां कक्षा चल रही थी। घायलों को एक-एक करके बाहर निकाला जा रहा है। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक एक प्रत्यक्षदर्शी सादमान रुहसिन ने बताया कि विमान स्कूल की इमारत से टकराया। सेना और अग्निशमन सेवा के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे और छात्रों तथा अभिभावकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सेना के जवान घायल छात्रों को बाहों में बाहर लाते देखे गए। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि जब विमान कॉलेज परिसर से टकराया, तब वह दस मंजिला कॉलेज भवन के पास खड़े थे। दोपहर एक बजे के कुछ ही देर बाद विमान बगल की तीन मंजिला स्कूल इमारत के सामने वाले हिस्से से टकरा गया, जिससे कई छात्र उसमें फंस गए। कॉलेज के शिक्षक और कर्मचारी छात्रों को बचाने के लिए दौड़े। उन्होंने कहा कि मैंने एक घायल छात्र को बाहर निकाला और एक महिला शिक्षक को जली हालत में देखा।

कछुआ गति से चल रहा बरगवां रेलवे ओव्हर ब्रिज का कार्य

व्यापारियों का व्यापार हो रहा चौपट, वाहनों का रूट बदला, दो वर्ष बितने को चला नही दिख रही प्रगति

सिंगरौली। मध्य रेलवे के बरगवां रेल क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम के समस्या से निजात के लिए बन रहा ओव्हर ब्रिज करीब दो साल बाद भी पूरा होते नही दिख रहा है। जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते काम कछुआ चाल से चल रहा है। पुल निर्माण अधूरा होने से जिला मुख्यालय बैढ़न की ओर और मुख्यालय से देवसर-सीधी तरफ जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि राज्य शासन ने 13 अक्टूबर 2022 को बरगवां-बैढ़न मार्ग पर मध्य रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण करीब 35 करोड़ 7 लाख से निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली तो लोगों को उम्मीद जगी कि संभवतः एक-दो साल में ओव्हर ब्रिज का निर्माण होने के बाद होने वाले समस्या से निजात मिलेगा, लेकिन ओव्हर ब्रिज निर्माण के डेढ़ साल बाद भी काम कछुआ गति से चल रहा है। 22 जून 2023 से चल रहे ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसे 24 महीने के अंदर पूरा करना था, लेकिन अब डेड लाईन समाप्त होने

के बाद भी काम महज 50 फीसदी ही हो पाया है। बारिश के समय यहां की सड़के कीचड़ से लथपथ हो गई हैं। बरगवां बाजार कीचड़ में तब्दील हो गया है। बुधवार को सुबह से बारिश होने से बाजार स्थल पर दुकान लगाने के लिए अधिकांश दुकानदारों को साफ जगह नसीब नही हुई। राहगीरों सहित दो पहिया वाहन चालको को फिसलन भरे कीचड़ के बीच से गुजरने को मजबूर हैं। बारिश होते ही कीचड़ से सराबोर बाजार से आने-जाने वाले लोग अक्सर फिसल कर गिर रहे हैं। गनीमत है कि कोई बड़ा हादसा अभी तक सामने नही आया है। हालात यह हैं कि कब गिर जाये कहा नही जा सकता। रेलवे ओव्हर ब्रिज का काम शुरू हुआ, लेकिन बाजार में कीचड़ से आम लोग सहित दुकानदार परेशान न हो, इसके लिए जिम्मेदारों ने कोई ठोस कदम नही उठाया। बारिश होते ही बाजार के कीचड़ को याद कर के ही लोग घरों से नही निकल रहे हैं। जिससे व्यापारियों का व्यापार चौपट हो रहा है। वही लोग मुख्य बाजार से निकलने में भी परहेज करने लगे हैं। आवश्यक जरूरत होने पर ही लोग बाजार के लिए निलकते हैं।

व्यापारी सहित आमजन हो रहे परेशान

ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य से निकली मिट्टी पूरे सड़क में फै ली हुई है। ऐसे में चन्द घंटो की बारिश से पूरी सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। बारिश के कारण सड़क कीचड़ से भर गया है। जिससे आम लोगों का चलना-फिरा मुश्किल हो गया है। कीचड़ से सराबोर सड़क की हालत इतनी दैयनीय हो चुकी है कि लोगों को जुते-चप्पल हाथ में लेकर सड़क पार करनी पड़ रही है। बरगवां बाजार में स्थित बैंक, गैस एजेंसियां सहित आवश्यक कामों के लिए दुकानों तक पहुंचना लोगों को किसी चुनौती से कम नही लग रही। बाजार में निकलना जान जाखिम में डालने जैसा लगने लगा है। फिसलन भरी सड़क में सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। अभिभावक भी मजबूरन बच्चों को स्कूल भेज रहे। बच्चे जब तक घर वापस नही आ जाते तब तक उन्हें चिंता सताती रहती है की बच्चे कहीं सड़क में गिर ना जाये।

26 महीने बाद भी 50 प्रतिशत हो पाया ओव्हर ब्रिज का काम

सिंगरौली-कटनी रेल लाईन के फाटक संख्या 105 बरगवां में ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य 22 जून 2023 से चल रहा है। इसे 24 महीने के अंदर पूर्ण करने का टारगेट थे, लेकिन 26 महीने बीत जाने के बाद भी महज 50 फीसदी कार्य हो पाया है। क्रियान्वयन एजेंसी निर्माण कार्य में तेजी क्यों नही ला रहा यह समझ के परे है। वही अब सवाल उठ रहा है कि ओव्हर ब्रिज का कार्य कछुआ गति से क्यों हो रहा, क्या कार्यपालन यंत्री लोनिवि सेतु निर्माण विभाग सही ढंग से मॉनिटरिंग नही कर रहा। ओव्हर ब्रिज के निर्माण कार्य में लेटलतीफी का खामियाजा स्थानीय लोगों सहित आमजनों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे में जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक महकमा कछुआ गति से बेतरतीब चल रहे निर्माण कार्य को लेकर बिल्कुल भी संजीदा नही दिख रहे हैं। ऐसे में स्थानीय व्यापारियों सहित आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ने लगा है।

सामूहिक रुद्राभिषेक एवं पार्थेश्वर शिवलिंग पूजन कार्यक्रम के तैयारी की बैठक आयोजित

सिंगरौली। नारायण सेवा समिति व्यापार मंडल बैढ़न के तत्वाधान में सामूहिक रुद्राभिषेक एवं पार्थेश्वर शिवलिंग पूजन कार्यक्रम आगामी 28 जुलाई दिन सोमवार को संपन्न किए जाने को लेकर तैयारी बैठक विजय अग्रवाल के दुकान पर की गई । जिसमें कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। लगभग 40 जजमानों की स्वीकृति आ चुकी है। प्रत्येक जजमानों से कार्यक्रम के लिए 2500 रुपए लिए जा रहे हैं । जिसमें पूजन से संबंधित समस्त सामग्री कमेटी के द्वारा प्रत्येक जजमानों को दी जाएगी । सिर्फ छुटपुट आइटम घर से लाने होंगे, जिसकी जानकारी व्हाट्सएप्प के माध्यम से लोगों को दी जाएगी, जो लोग इस अनुष्ठान से जुड़ेंगे। साथ ही जिस भी भक्तगणों को इस कार्यक्रम में जुड़ना हो वह लोग कमेटी के मेंबरों से संपर्क कर इस कार्यक्रम से जुड़े सकते हैं।

आज के बैठक में संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजाराम केसरी, गोपाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, भुवनेश्वर प्रसाद अग्रहरी, संजीव अग्रवाल, अशोक सिंह, नीरज कारीवाल, मनोज गोयल, संजय केसरी, संजय सोनी, दीपक गुप्ता मौजूद रहे।

सावन में वर्षा की बूंदे शिवलिंग को स्नान कराती है : एनपी

सिंगरौली। श्रावण मास कृष्ण पक्ष एकादशी एवं श्रावण सोमवार का अद्भुत संयोग के अवसर पर शिवधाम मंदिर बैढ़न में मंदिर के महाप्रबंधक ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र के सानिध्य में अनेकानेक भक्तजनों द्वारा भूत भावन भोलेनाथ महामृत्युंजय भगवान की पूजा आराधना एवं कई भक्त जनों द्वारा सामूहिक रूप से रुद्राभिषेक किया गया। सांय शिव चर्चा और भजन संध्या के माध्यम से भूतभावन भोलेनाथ की आराधना भक्त जनों द्वारा की गई।

ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र के अनुसार आज का दिन विशिष्ट और दिव्य ऊर्जा से परिपूर्ण है। श्रावण सोमवार की पावन बेला और एकादशी का पुण्य दिवस एक साथ होना एक दुर्लभ संयोग है, जो हमें भक्ति, संयम और आत्मचिंतन का अवसर प्रदान करता है। श्रावण का सोमवार वह दिन है, जब आकाश से गिरती वर्षा की बूंदे भी गंगाजल बनकर शिवलिंग को स्नान कराती हैं और धरती पर भगवान शिव के नीलकंठ स्वरूप का स्मरण कराती हैं। यह मास और सोमवार का व्रत हमें सिखाता है कि जीवन में धैर्य, आस्था और भक्ति की धार निरंतर बनी रहनी चाहिए। जैसे सावन की रिमझिम बूंदें धरती को शीतलता प्रदान करती हैं। वहीं एकादशी तिथि उपवास, आत्म-संयम और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक है। यह दिन शरीर और मन की शुद्धि का पर्व है, जब हम सांसारिक इच्छाओं को विराम देकर प्रभु के नाम का सच्चे मन से स्मरण करते हैं। कहते हैं एकादशी का व्रत पापों से मुक्ति और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है।

सड़क दुर्घटनाओ और भ्रष्टाचार के विरोध में 23 जुलाई को कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगी कांग्रेस

सिंगरौली। सड़क दुर्घटनाओं शासकीय दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार, खाद-बीज की कमी और बार-बार बिजली कटौती को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण और शहर के संयुक्त तत्वाधान में 23 जुलाई को कलेक्ट्रेट का घेराव किया जायेगा। जिसमें विभिन्न समस्याओ के निराकरण के लिए राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। जानकारी के अनुसार म.प्र. कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार म.प्र. भर में खाद की उपलब्धता में कमी, बिगड़ती कानून व्यवस्था, नशे का बढ़ता कारोबार, जर्जर सड़क, महंगी एवं बार-बार गुल होती बिजली, गंदा पानी, दिन-.प्रतिदिन लगातार बढ़ता टैक्स, सिंगरौली जिले की

राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौपेंगे ज्ञापन

स्थानीय जन समस्याओं जैसे प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं के कारण असमय हो रही है। मौत से बचाव के लिए वैकल्पिक सुविधाओं की मांग, कोल ट्रांसपोर्ट के लिए बाईपास की मांग, प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर जिला स्तर पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। इसके संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष ज्ञानेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में 23 जुलाई को दोपहर 3 बजे राजीव चौक माजन मोड़ से चलकर पदयात्रा के माध्यम से विरोध प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय सिंगरौली पहुंचकर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में ज्ञापन देने के लिए जिले से कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेतागण, जिले में निवासरत प्रदेश कांग्रेस के समस्त पदाधिकारी गण, नगरीय निकाय के नेता प्रतिपक्ष, उपनेता प्रतिपक्ष एवं समस्त पार्षदगण, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गण, पदाधिकारी एवं पूर्व पदाधिकारीगण, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई के वर्तमान एवं पूर्व अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारी सभी सहयोगी संगठनों एवं प्रकोष्ठों के वर्तमान एवं पूर्व अध्यक्ष पदाधिकारी ब्लॉक मंडलम सेक्टर के अध्यक्ष गण एवं पदाधिकारी गण सभी बीएलए एवं बूथों के अध्यक्षों से आवश्यक रूप से शामिल होने की अपील की गई है।

एमपीआरडीसी के सहायक प्रबंधक के कार्यप्रणाली पर उठने लगे सवाल, अंगद के पाव की तरह जमे

परसौना टू बैढ़न बाया निगाही की करोड़ों की सड़क सहायक प्रबंधक के जिम्मेदारियों पर खड़ा कर रहा प्रश्नचिन्ह, कमीशन ने संविदाकारों को बना दिया चहेता

सिंगरौली। एमपीआरडीसी के द्वारा परसौना टू बैढ़न बाया निगाही सड़क मार्ग के कचूमर निकल गये हैं। जबकि यह मार्ग करोड़ों रूपये की लागत से बनी थी। एक ही जगह पर वर्षो से जमे सहायक प्रबंधक के कार्यप्रणालियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोप तो लगने लगे हैं कि सहायक प्रबंधक कमीशन के चलते संविदाकार खासमखास बने हुये हैं। यही वजह है कि सरकार की सबसे बड़ी निर्माण एजेंसी ऐसे भ्रष्ट संविदाकारों पर कार्रवाई करने से कतराती है। इधर बता दें कि म.प्र. राज्य सड़क विकास निगम भोपाल द्वारा सिंगरौली जिले में एमपीआरडीसी निर्माण एजेंसी की देखरेख में समय सीमा और गुणवत्ता युक्त सड़क बनाये जाने सहायक प्रबंधक की पदस्थापना की गई है। लेकिन जिले में दशको से पदस्थ सहायक प्रबंधक समीर गोहर शासन-प्रशासन की मंशा के ठीक विपरित कार्य कर रहा है। बताया जाता है कि विभाग की मंशा के बजाय ठेकेदारों का ज्यादा हिमायती साबित हो रहा है। सूत्रों के अनुसार सिंगरौली से सीधी फोरलेन का लगभग 12 वर्षो से निर्माण कार्य चल रहा है। जिसकी बदतर और दयनीय हालत किसी से छिपी नहीं है। जिसमें सहायक प्रबंधक महज ठेकेदारों का एजेंट बनकर रह गये हैं। जिससे शासन-

प्रशासन की भारी किरकिरी हो रही है। वही म.प्र. सड़क विकास निगम की देखरेख बन रही सिंगरौली-सीधी फोरलेन की बदसूरत एवं दयनीय हालात से जिले के लोगों में निर्माण एजेंसी के जिम्मेदारो के प्रति भी बड़ी नाराजगी है। बताया जाता है कि जिला मुख्यालय में ननि क्षेत्र के परसौना से निगाही मोड़ तक की फोरलेन सड़क जिला खनिज मद से लगभग 40 करोड़ रूपये से ज्यादा लागत की सड़क निर्माण कराया गया। उक्त मार्ग की सड़क में भारी वाहनों के चलने से कही धस गई है, तो कही गड्ढे ही गड्ढे हो गए हैं। यह वाकया कई साल में नहीं हुआ, बल्कि बनाने के कुछ माह में ही अपनी दुर्दशा का आँशु बहा रहा है। जबकि इस मार्ग पर चलने वाले वाहन कब एक-दूसरे वाहन से टक्कर मार दे, कोई गारंटी नहीं है। उक्त मार्ग का थिकनेस इतना कमजोर है कि डामर कही और सरक गई तो लीक कही और नजर आती है। स्कूटी सवार महिलाओं के लिए नासूर सी साबित हो रही है, जों आये दिन गिरती परती नजर आती है। अभी भी कई जगह गड्ढों का नजारा देखा जा सकता है। ठेकेदार ने सड़क किनारे नाली भी नही बनाई, जिसे अब नगर निगम करोड़ों खर्च कर भरपाई कर रहा है। सूत्रों की बातों पर गौर करे तों म.प्र. सड़क विकास निगम सिंगरौली का सहायक प्रबंधक समीर गोहर लगभग एक दशक से सिंगरौली में पदस्थ हैं। जबकि शासन की तबादला नीति में जिम्मेदार अधिकारियों-प्रबंधको का अधिकतम तीन साल में स्थानांतरण का प्रावधान किया गया है। लेकिन भोपाल में बैठे विभाग के अफसरों को भी नियम कानून से भी कोई सरोकार नजर नहीं आ रहा है। जों नियम-कानून को ताक पर रखें हुए है। साथ ही नैतिकता की भी तिलाजलि देते नजर आ रहे हैं।

सीएम हेल्प लाईन की प्रदेश स्तर से जारी रैकिंग राजस्व विभाग को मिला तीसरा स्थान

प्रदेश स्तर से जारी सीएम हेल्प लाईन कि रैकिंग सिंगरौली रहा 5वें स्थान पर

सिंगरौली। आम जन मानस के समस्याओं का निराकरण में प्रदेश सरकार द्वारा चालू की गई सीएम हेल्प लाईन योजना किसी वरदान से कम नही है। आम जनमानस सीएम हेल्प लाईन में अपनी शिकायतों को दर्ज कराते तत्पश्चात विभागीय अधिकारियों द्वारा संबंधित के शिकायतों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाता है। साथ सीएम हेल्प लाईन की गुणवत्ता बनी रही है। इसके प्रति माह जिलावार रैकिंग भी जारी की जाती।

सिंगरौली जिले में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के निर्देशन में सीएम

हेल्प लाईन में दर्ज शिकायतों का संबंधित विभाग द्वारा गुणवत्ता पूर्ण निराकरण किया जाता है। वही आज प्रदेश स्तर से जारी रैकिंग में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा अव्वल स्थान प्राप्त किया गया है। जिसमें परिवहन तथा कृषि विभाग ने प्रदेश स्तर से जारी रैकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। वही सामाजिक न्याय तथा वन विभाग ने दूसरा, राजस्व विभाग ने प्रदेश स्तर से जारी रैकिंग में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। सीएम हेल्प लाईन की जारी रैकिंग में माईनिंग तथा गृह विभाग ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। वही शिक्षा विभाग को सीएम हेल्प लाईन के शिकायतों के निराकरण में 5वां स्थान मिला है। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को बाधाई देते हुये कहा कि इसी तरह से अगले माह में जारी होने वाली रैकिंग में शिकायतो निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करे।

परंपरागत कांवरिया मॉ ज्वालामुखी मंदिर का दर्शन कर देवघर के लिए प्रस्थान

सिंगरौली। ऊर्जांचल क्षेत्र से श्रवण के पवित्र मास में जलाभिषेक के लिए भारी संख्या में कांवरिया देवघर के लिए प्रस्थान करते हैं। परंपरागत रूप से

कांवरिया सिंगरौली-सोनभद्र क्षेत्र से जाने वाले शक्तिपीठ मॉ ज्वालामुखी मंदिर प्रांगण में दर्शन पूजन कर देवघर एवं बासुकीनाथ धाम के लिए प्रस्थान करते हैं। इसीक्रम में स्थानीय शक्ति नगर सैकड़ो की संख्या में कांवरिया देवघर के लिए बीते रविवार को विधिवत पूजन पाठ कर प्रस्थान किया। मंदिर के तीर्थ पुरोहितो द्वारा विधिवत पूजा पाठ करते हुए देवघर के लिए रवाना किया गया।

प्रदूषण मुक्त ऊर्जांचल का संकल्प

ऊर्जांचल विस्थापित कल्याण समिति की साप्ताहिक योजना बैठक

सिंगरौली। ऊर्जांचल परिक्षेत्र में लगातार कोयला एवं राख परिवहन से भयंकर प्रदूषण फैल रहा है। वही कोल खदान विद्युत गृह में कोल हैंडिंग प्लांट जनत प्रदूषण से स्थानीय ग्रामीण गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

रिहंद जलाशय कैचमेंट एरिया 880 के परिधि में राख बांध बनाकर राख संचित किए जाने से जलाशय का पानी मरकरी युक्त प्रदूषित हो गया है, जो पीने योग्य नहीं रह गया है। इस गंभीर विषय पर ऊर्जांचल विस्थापित कल्याण समिति के

साप्ताहिक योजना बैठक में प्रदूषण मुक्त ऊर्जांचल का संकल्प व्यापक विचार विमर्श किया गया। संगठन के अध्यक्ष हेमंत मिश्र ने कहा कि प्रदूषण के रोकथाम पर मानवता के अनुरूप परियोजनाओं से बात कर व्यापक कार्य योजना बनाई जाएगी। परिक्षेत्र में प्रदूषण से फैल रही गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए परियोजनाएं समुचित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कारण उनकी प्राथमिकता में होना चाहिए। योजना बैठक में विस्थापितों परिवारों को समुचित चिकित्सकीय सुविधा प्राप्त हो, इस पर भी व्यापक चर्चा किया गया। साप्ताहिक योजना बैठक में प्रमुख रूप से रामलल्लू नेता, अमरकेश पाण्डेय, शैलेंद्र चौबे, जंग बहादुर चौबे, नंदलाल भारती, राजकुमार पटेल, शालिग्राम, ब्रिज बिहारी यादव, योगेंद्र सिंह पटेल, विनय श्रीवास्तव, पंकज, गणेश मिश्रा, राजधारी कुशवाहा मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नहीं सुनी तो ग्रामीण ही बनाने लगें सड़क

ग्रामीणों ने कहा जब सड़क हमें ही बनाना है तो हम जनप्रतिनिधि क्यों चुनें, आगामी चुनाव का करेंगे बहिष्कार, मामला गड़ई गांव का

सिंगरौली। जनपद पंचायत देवसर के गड़ई गांव की मुख्य सड़क को जाने वाली 4 किलोमीटर सड़क के लिए ग्रामीणों ने सांसद, विधायक व सरपंच सहित प्रशासन तक से गुहार लगाई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। अब ग्रामीणों ने खुद ही पहल शुरू कर दी है। सालों से पीसीसी रोड बनने की राह देख रहे ग्रामीण आवेदन और निवेदन करते-करते थक गए। जब रोड बनने की आशा दूर-दूर तक नजर नहीं आई, तब लोगों ने खुद ही रोड बनाने की ठान ली। सड़क के लिए ग्रामीणों ने आज दिन सोमवार से श्रमदान कर मिट्टी भराई कार्य शुरू कर दिया।

बता दें कि जनपद पंचायत देवसर के गड़ई गांव के 4 किलोमीटर की दूरी वाले मुख्य मार्ग की दुर्दशा से ग्रामीण कई साल से परेशान थे। हर साल बारिश के मौसम में सड़क की हालत विकराल हो जाती है। पूरी सड़क दलदल में तब्दील हो जाती है। जिसकी वजह से यहां प्रतिदिन लोग गिरते हैं। राहगीरों सहित बाइक सवारों लोगों को तहसील, थाना सहित जरूरी कामों के लिए सरई जाने के लिए इसी सड़क से गुजरना होता है। ऐसे में कई बार सड़क बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों

और अधिकारियों से गुहार लगाई गई। लेकिन जब गांव की सड़क नहीं बनी तो ग्रामीणों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर खुद ही सड़क बनाना शुरू कर दिया। कमलेश्वर सिंह ने बताया कि ग्राम में मेन रोड से अंदर की ओर जो बस्ती गई है, यहां पर रोड नहीं है और यहां लंबे समय से यहां पीसीसी रोड बनवाने की मांग की जा रही थी। सड़क को लेकर अनेकों बार सांसद, विधायक, सरपंच, सचिव सहित जिला प्रशासन से आवेदन और निवेदन करते थक गए। जब सड़क नहीं बनी तो उन्होंने अपने स्वयं के खर्च पर रोड बनाना प्रारंभ कर दिया। ग्रामीणों ने स्वयं के खर्च पर ट्रैक्टर की मदद और स्वयं मजदूरी करके चलने लायक सड़क बनाई है। ताकि यहां से आने-जाने में परेशानी ना हो। राजकुमार ने कहा कि जब सड़क हम लोगों को ही बनवाना है तो फिर हम जनप्रतिनिधि क्यों चुनें, हम चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

सड़क में फिसल कर वृद्ध की हो गई थी मौत

बारिश के दिनों में सड़क की हालत बेहद ही खराब हो जाती है। यहां न सिर्फ रात को बल्कि दिन में भी चलना खतरे से खाली नहीं रहता। बच्चे-बूढ़े सहित किसान अपने खेतों के लिए इसी सड़क से गुजरते हैं। उन्हें हर समय डर बना रहता है कि कब वह फिसल कर गिर ना जाए। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दिनों जोखन पनिका शाम 6 बजे दुकान जा रहे थे, उसी समय फिसल कर गिर गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी निवास चौकी में भी दी गई थी, जहां करीब रात 12 बजे एंबुलेंस पहुंची थी।

"ISO 9001-2015 certified college"
शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय, चिकित्सालय निपनिया रीवा (म.प्र.)
Govt. Autonomous Ayurved College & Hospital, Nipaniya Rewa (M.P.)
Tel. No. 07662-299160
Email-govtayucollegerewa@gmail.com
Website-www.gacrewa.org.in
क्र./स्व./2025/ रीवा दिनांक
डी-फार्मा आयुर्वेद (दो वर्षीय) डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रवेश हेतु सूचना (वर्ष शिक्षण सत्र 2024-2025
शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, निपनिया रीवा (म.प्र.) के अंतर्गत मध्यप्रदेश सह-चिकित्सीय परिषद भोपाल म.प्र. से मान्य दो वर्षीय प्रमाण-पत्र डी-फार्मा आयुर्वेद (दो वर्षीय) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सत्र 2024-2025 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र प्राचार्य स्वशासी शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय निपनिया रीवा, म.प्र. के नाम से आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक उम्मीदवार महाविद्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 21.07.2025 से 26.07.2025 कार्यालयीन समय तक प्रवेश फार्म प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। एवं उसके पश्चात चयनित छात्रों की काउंसलिंग दिनांक 28.07.2025 को समय प्रातः 10बजे से महाविद्यालय में नियत की गई है।
प्रवेश योग्यता - हायर सेकेण्ड्री जीव विज्ञान/बायोलॉजी ग्रुप 10+2 उत्तीर्ण
अनारक्षित एवं ओ.बी.सी. वर्ग के लिए न्यूनतम 40: एवं आरक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 33: अंक होना अनिवार्य होगा।
आवेदन पत्र एवं विवरणिका शुल्क अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए रू. 350/- तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये 200/- रू. फार्म प्राप्त होंगे जिस अभ्यर्थी का काउंसलिंग में चयन होगा उन्हें पूरी फीस रुपये 62910/- तत्काल जमा करनी होगी तभी प्रवेश दिया जाएगा एस.सी. एसटी ओ.बी.सी. छात्रों को नियमानुसार शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। अन्य जानकारी हेतु महाविद्यालय में 8827507440 पर संपर्क करें।
(डॉ. दीपक कुलश्रेष्ठ) प्राचार्य शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)
(डॉ.दीपक कुलश्रेष्ठ) प्राचार्य
शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय रीवा, (म.प्र.)

उपखण्ड स्तर पर सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करें : कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि समस्त उपखण्ड अधिकारी (राजस्व) उपखण्ड स्तर पर ही प्रत्येक सप्ताह सीएम हेल्पलाइन के शिकायतों की विस्तृत समीक्षा करेंगे। मुख्य रूप में अधिक शिकायतों वाले विभागों राजस्व, पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ऊर्जा विभाग से जुडी शिकायतों की समीक्षा की जावेगी। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोई

उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जावेगी। संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। समय सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को प्राथमिकता पर कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी प्रकरणों की नस्ती कार्यवाही कर एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करेंगे। आगामी एक सप्ताह अभियान चलाकर टीएल प्रकरणों की वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सीएम हाउस तथा सीएम मॉनिट से प्राप्त पत्रों पर समय-सीमा में कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा के अंदर समस्त प्रकरणों को निराकृत कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा बाह्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने रीवा-सीधी-सिंगरौली रेलवे लाइन के भू-अर्जन से जुड़े मामलों में प्राथमिकता पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जिले की सभी नदियों के उदगम स्थल पर पौधरोपण महाअभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अतिवृष्टि एवं बाढ़ के कारण जल स्त्रोतों के शुद्धिकरण तथा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया है। दूषित पेयजल के कारण होने वाली बीमारियों के रोकथाम तथा उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम हेतु कार्यस्थल पर आंतरिक परिवाद समितियों के गठन के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

लीला की गुहार बनी बदलाव की आवाज

विधायक राहुल ने निजी खर्च से शुरू कराया सड़क निर्माण

सीधी। सीधी जिले के खड्डी से बगैहा मार्ग की बदहाल हालत को लेकर उठी आवाज़ आखिरकार असरदार साबित हुई। नौ माह की गर्भवती महिला लीला साहू की सोशल मीडिया पर उठाई गई पीड़ा ने चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल को झकझोर दिया। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के आश्वासनों से थकी लीला की पुकार पर अब एक वास्तविक राहत मिल रही है – सड़क का निर्माण शुरू हो गया है, और वह भी विधायक के निजी खर्च पर।

गौरतलब है कि लीला साहू ने सोशल मीडिया पर कई बार सड़क की दुर्दशा का मुद्दा उठाया था। खराब रास्ते की वजह से एंबुलेंस तक गांव नहीं पहुंच पा रही थी, जिससे गर्भवती महिलाओं और बीमार ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही थी। सांसद, मंत्री और प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार सूचना देने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सोमवार सुबह लीला को

चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल का फोन आया, जिसमें उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अपने निजी खर्च से इस सड़क को इतना सुगम बनवा देंगे कि कम से कम वाहन गांव तक पहुंच सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सड़क फिलहाल कच्ची होगी, लेकिन लोगों को तत्काल राहत जरूर मिलेगी।

इस बीच विधायक प्रतिनिधि ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री ने भी प्रशासन और भाजपा नेताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि सांसद, विधायक और यहां तक कि उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी इस क्षेत्र में आते हैं, लेकिन इस गांव की उपेक्षा की गई। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है और दो से तीन दिन में पूरा हो जाएगा। हालांकि यह मामला स्थानीय प्रशासन की उदासीनता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों की मांग है कि सड़क को स्थायी रूप से पक्का किया जाए, ताकि भविष्य में किसी लीला साहू को ऐसी विकट स्थिति से न गुजरना पड़े।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने जनपद मझौली के सीईओ का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया

सीधी। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी श्री धनन्जय मिश्रा के द्वारा जनपद पंचायत मझौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त का पदभार ग्रहण कर लिया गया है। उन्होंने जनपद पंचायत के समस्त शासकीय सेवकों के साथ पी.सी.ओ. उपयंत्री सचिव एव ग्राम रोजगार सहायकों की बैठक आयोजित कर योजनाओ की समीक्षा की। बैठक में ग्राम पंचायतों में समग्र ई-केवाईसी, पी.एम.ए.वाय ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास की पूर्णता, मनरेगा प्लाटेशन एवं मनरेगा के श्रमिक नियोजन कार्य पूर्णता, जनपद पंचायत मझौली के निर्माण कार्यों की समीक्षा, स्वच्छ भारत मिशन के फीडबैक में प्रगति लाने के लिये निर्देश दिये गये। साथ ही जल वृष्टि में सभी को सजग रहने के लिये निर्देशित किया गया।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में कक्षा 6वीं में आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई

सीधी। प्रभारी प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट ने जानकारी देकर बताया कि पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट जिला सीधी के कक्षा 6वीं में सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन हेतु विद्यालय की वेबसाइट प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 29.07.2025 है। अभ्यर्थी का जन्म दिनांक 01.05.2014 से 31.07.2016 के बीच होना चाहिए, अभ्यर्थी सीधी जिले का निवासी होना चाहिए एवं सीधी जिले में ही 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए, पात्रता पूर्ण करने वाले अधिक से अधिक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करें।

विश्व हिंदू परिषद दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग संपन्न

सीधी। विश्व हिंदी परिषद जिला अभ्यास वर्ग 19 जुलाई को स्थान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मड़रिया सीधी में उद्घाटन सत्र शाम 4:00 बजे जिला अध्यक्ष गणेश सिंह परिहार के अध्यक्षता व शैलेन्द्र सिंह विभाग संयोजक की विशेष उपस्थित में जिला अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। गणेश सिंह ने अपने बौद्धिक में समाज में फैली हुई कुरीतियों को दूर करने का आग्रह किया एवं सभी वर्ग के समाज जाति-पाति साथ देश हित राष्ट्रीय हित में काम करने के लिए बताया जिला अभ्यास वर्ग 8 सत्रों में प्रथम सत्र विश्व हिंदू परिषद उद्देश्य और आवश्यक क्यों इस पर रवि राय बहादुर सिंह वर्ग पालक

ने विस्तार पूर्वक संगठन के बारे मे बताया। 20 जुलाई को अरविंद गौतम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला कार्यवाह ने पांच परिवर्तन का विषय विस्तार पूर्वक बताया गया स्व के भाव से स्वयं से प्रारंभ करो इस के बाद समाज से अनुरोध करने का विचार रखा पांच परिवर्तन समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य पर विस्तार पूर्वक मार्गदर्शन दिए। दो दिवसीय अभ्यास वर्ग पर प्रांत सत्संग प्रमुख राजेन्द्र सिंह ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने संगठन की रीति-नीति, अनुशासन और ग्राम स्तर तक संगठन को प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में जिले और नगर प्रखंड के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समापन सत्र में लक्ष्मण सिंह प्रान्त कार्य समिति सदस्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ अभ्यास वर्ग के माध्यम से संगठनात्मक मजबूती, कार्य पद्धति और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई, साथ ही कार्यकर्ताओं ने संगठन विस्तार को गांव-गांव तक समिति गठन किया जाएगा। उक्त जानकारी धीरेश मिश्र प्रचार प्रसार प्रमुख ने दी।

प्रभारी मंत्री का सीधी दौरा कार्यक्रम जारी

सीधी। जिला सत्कार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि श्री दिलीप जायसवाल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग मध्यप्रदेश शासन एवं प्रभारी मंत्री जिला सीधी दिनांक 24.07.2025 को सीधी आयेंगे। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल दिनांक 24.07.2025 को सुबह 9.30 बजे सीधी सर्किट हाउस पहुंचेगे। वह सर्किट हाउस में सुबह 11 बजे जनप्रतिनिधियों/गणमान्य नागरिकों एवं जन सामान्य से भेंट करेंगे। प्रभारी मंत्री दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके पश्चात प्रभारी स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। प्रभारी मंत्री सायं 6 बजे सीधी से जिला रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

जिले में औसत वर्षा 761.2 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा बहरी में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 21 जुलाई को सीधी जिले में 0.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 2.0 मि.मी., बहरी में 0.0 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 2.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 761.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 21 जुलाई तक तहसील बहरी में सर्वाधिक वर्षा 876.7 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 631.5, चुरहट में 662.0, गोपद बनास में 687.8, सिहावल में 857.6, मझौली में 858.0 मि.मी. और कुसमी में 754.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 204.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 556.6 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई

सीधी। उपसंचालक कृषि संजय श्रीवास्तव ने जानकारी देकर बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा कराने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत मौसम, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से यदि किसानों की फसल खराब होती है तो इस स्थिति में फसल को होने वाले नुकसान की छतिपूर्ति की जाती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत समस्त ऋणी व अऋणी किसान 31 जुलाई 2025 तक फसलों का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पटवारी हल्का स्तर पर अरहर, मक्का एवं धान, तहसील स्तर पर तिल, ज्वार एवं कोदो कुटकी तथा जिला स्तर पर उड़द एवं मूंग फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसानों के लिए खरीफ मौसम में प्रीमियम दर अनाज, तिलहन, दलहन सभी फसलों के लिए बीमित राशि का 2 प्रतिशत या वास्तविक दर जो भी कम हो देय होगी। उप संचालक कृषि श्री श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत धान सिंचित फसल की बीमाधन राशि प्रति हेक्टेयर 42 हजार 900 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 858 रुपये है, धान असिंचित फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 32 हजार 400 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 648 रुपये है। अरहर फसल की प्रति हेक्टेयर बीमाधन राशि 30 हजार 600 रुपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमाकंन राशि 612 रुपये है, मक्का फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 31 हजार 350 रूपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 627 रूपये है मूंग फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 100 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 482 रूपये हैं उड़द फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 50 रूपये है जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 461 रूपये हैं तिल फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 24 हजार 780 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 495.60 रूपये हैं ज्वार फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 23 हजार 923 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 478.46 रूपये है, कोदो कुटकी फसल की प्रति हैक्टेयर बीमाधन राशि 15 हजार 803 रूपये हैं जिसकी 2 प्रतिशत बीमांकन राशि 316.06 रूपये है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा करवाने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। अऋणी कृषक (अल्पकालिक फसल ऋण न लेने बाले कृषक) अपनी फसलों का बीमा अपनी नजदीकी बैंक/शाखा जहाँ कृषक का बैंक खाता है के माध्यम से नजदीकी सी.एस.सी सेन्टर के द्वारा करा सकते हैं, या फिर क्राप इंश्योरेंस एप को किसान भाई गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर स्वयं भी कर सकते हैं।

अटल पेंशन योजना के क्रियान्वयन में जिले को मिला सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेन्स

सीधी। अग्रणी जिला प्रबंधक सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को 60 वर्ष की आयु के बाद एक निश्चित पेंशन राशि प्रदान करने के लिए अटल पेंशन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना में अधिक से अधिक असंगठित क्षेत्र के लोगों को जोड़ने के लिए भारत सरकार द्वारा 01 मई 2025 से 15 जुलाई 2025 तक विशेष अभियान चलाया गया है। इस अभियान के अंतर्गत नए लोगों को जोड़ने और उनका पंजीयन कराने में हमारे सीधी जिला ने सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेन्स प्राप्त किया है। उक्त विशेष अभियान में सीधी जिला ने 1782 लक्ष्य के विरुद्ध 2958 लोगों को निर्धारित समय में अटल पेंशन योजना से जोड़कर 166 प्रतिशत लक्ष्य की उपलब्धि प्राप्त कर सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेन्स प्राप्त किया है।

खिलाड़ी रूचिनुसार खेल का चयन कर जूनून और उत्साह के साथ खेलें : कलेक्टर

शहडोल। जिले में फुटबाल खेल के प्रति युवाओं में अधिक रूचि ली जा रही है। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम विचारपुर में हर परिवार से युवा नियमित रूप से फुटबाल की प्रैक्टिस करते हैं। फुटबाल खेल को बढ़ावा देने के लिए रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट द्वारा खिलाड़ियों को कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में रिलायंस सीबीएम प्रोजेक्ट शहडोल द्वारा आयोजित छह दिवसीय एआईएफएफ डी-लाइसेंस फुटबॉल प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि हर खेल का अपना महत्व है, कोई भी खेल छोटा या बड़ा नही है, खिलाड़ियो को रूचि के अनुसार खेल का चयन कर जनून और उत्साह के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहडोल के विचारपुर के खिलाड़ियो द्वारा फुटबाल खेल के प्रति जूनून सराहनीय है, यहां के छोटे छोटे बच्चे फुटबाल का खेल खेलते है और वर्तमान में ग्राम विचारपुर मिनी ब्राजील के नाम से अपना पहचान बनाया है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा कोच ही अच्छे खिलाड़ी बना सकता है। शहडोल में फुटबॉल के लिए अनुकूल माहौल और उत्साह हैं, यहां से प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलेंगे जो राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर शहडोल जिले का नाम रोशन करेंगे।

सी.एस.आर. हेड श्री राजीव श्रीवास्तव ने शहडोल जिले विशेषकर आदिवासी समुदाय के युवाओं में उनकी शारीरिक क्षमता के अनुरूप फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। रिलायंस फाउंडेशन द्वारा यूथ स्पोर्ट्स और एआईएफएफ के सहयोग से प्रशिक्षित कोच तैयार कर प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक शिवा कुमार वरदराज, रिलायंस सीबीएम लाइजन हेड श्री बिजित झा, श्री राजेश वर्मा सहित फुटबाल कोचो ने भी अपने-अपने विचार साझा किया।

कार्यक्रम में सहायक संचालक खेल (एन आई एस) फुटबॉल कोच, रईस अहमद ने बताया कि यह प्रशिक्षण 15 से 20 जुलाई 2025 तक रिलायंस क्लब हाउस एवं विचारपुर खेल मैदान में आयोजित किया गया।

जिला न्यायालय में कार्यालय सहायक, रिसेप्न्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य के पदों के साक्षात्कार 27 जुलाई को

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम अंतर्गत कार्यालय स्टॉफ कार्यालय सहायक, रिसेप्न्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं कार्यालय भृत्य पद पर 01 वर्ष की संविदा नियुक्ति के लिए साक्षात्कार जिला न्यायालय परिसर स्थिति एडीआर भवन में कार्यालय सहायक, रिसेप्न्सनिस्ट सह डाटा एंट्री ऑपरेटर पद का दिनांक 27.07.2025 को प्रात: 08.00 बजे एवं कार्यालय भृत्य पद का दिनांक 27.07.2025 को दोपहर 02:00 बजे से साक्षात्कार समाप्त होने तक साक्षात्कार समिति द्वारा लिया जावेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने बताया कि साक्षात्कार की सूचना हेतु जिला न्यायालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर सूचना पत्र में साक्षात्कार तिथि, समय और स्थान की जानकारी चस्पा कराई गई है। साक्षात्कार की लिए आवेदनकर्ता को पहचान पत्र एवं मूल दस्तावेज निर्धारित दिनांक व समय पर जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर भवन सीधी में उपस्थित होना है।

दस्तक अभियान वर्ष 2025-26 का प्रथम चरण 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक संचालित किया जाएगा

शहडोल। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दस्तक अभियान वर्ष 2025-26 का प्रथम चरण 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक संचालित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि दस्तक अभियान के सत्र आंगवाड़ी केन्द्रों में आयोजित किए जाएंगे। जहां 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को अभियान में निहित सेवाएं प्रदान की जाएंगी। शेष छूटे हुए बच्चों एवं नवजात शिशुओं हेतु मापअप के दौरान एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का संयुक्त दल बच्चों के घर-घर जाकर दस्तक सेवाएं देंगी। सत्र एवं मापअप के दौरान बच्चों में बीमारियों की पहचान आवश्यक उपचार एवं त्वरित रेफरल सुनिश्चित किया जाएगा। दस्तक दल का नेतृत्व एएनएम द्वारा किया जाएगा। आशा एवं आगनवाड़ी कार्यकर्ता सहयोगी की भूमिका में होगीं। दस्तक दल द्वारा छूटे हुए बच्चों एवं दल के पर्यवेक्षण हेतु सीएचओ उत्तरदायी होंगे। स्टाफ डायरिया कैम्पेन के माध्यम से समुदाय एवं संस्था आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। समुदाय आधारित सेवाओं में 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चों को 2 ओआरएस के पैकेट, 14 जिंक टेबलेट जिसमें 2 माह तक के बच्चे शामिल नहीं होंगें, दस्त रोग के प्रकरणों में अनिवार्यत: निर्जलीकरण का वर्गीकरण कर आवश्यक उपचार एवं रेफर करने, सत्र के दौरान उपस्थित समुदाय के समस्त ओआरएस घोल बनाने की विधि का प्रदर्शन, समुदाय को जिंक टैबलेट का महत्व एवं खरते के लक्षणों की समझाईस देने के साथ ही साफ-सफाई के महत्व को समझाने एवं हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया जाएगा। संस्था आधारित गतिविधियों में आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में ओआरएस कार्नर स्थापित करनें निर्जलीकरण के मापदंड एवं उसके उपचार का प्रदर्शन तथा मानक उपचार, ओपीडी में आने वाले दस्त रोग वाले बच्चों को 2 ओआरएस के पैकेट, 14 जिंक टेबलेट देने, गंभीर कुपोषण के साथ निर्जली करण के चिन्हांकित बच्चों का मानक अनुसार उपचार करना, ओआरएस एवं जिंक टैबलेट के उपयोग पर चर्चा शामिल हैं।

आपदा की स्थिति में उपयुक्त भवनों को अधिग्रहण करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

सीधी। अपर कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए आधी, बाढ़ या अन्य प्रत्याशित आपदा आने से सुरक्षित स्थान जैसे की सरकारी भवन, सामुदायिक भवन गैर सरकारी संस्थान में प्रवास कराने एवं उपयुक्त भवनों को अधिग्रहण करने हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेशानुसार अनुविभाग गोपद बनास के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपद बनास को, चुरहट के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चुरहट को, मझौली के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मझौली, कुसमी के लिए अनुविभागीय अधिकारी कुसमी एवं सिहावल के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहावल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होने निर्देशित किया है कि प्राकृतिक आपदा के दौरान नियुक्त नोडल अधिकारी आवश्यकता अनुसार अपने स्तर से अधिकारियों/कर्मचारियों की पर्याप्त मात्रा में ड्यूटी लगाया जाना सुनिश्चित करें।

संपादकीय

कब थमेगी विमानन कंपनियों की लापरवाही?

अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के बाद से विमान सेवाओं की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। अगर उड़ान भरते ही किसी विमान का इंजन फेल हो जाए या फिर बीच रास्ते में तकनीकी खराबी आ जाए, तो इससे स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया सकता है। हवाई यात्रा में जोखिम इतना गहरा है कि हादसे की सूरत में बचने गुंजाइश नहीं होती। पिछले कुछ महीनों से लगातार घट रही घटनाओं से विमानन कंपनियों की साख तो खतरे में है ही, वहीं यात्रियों का भरोसा भी टूट रहा है और वे यात्रा के जोखिम को लेकर आशंकित हो रहे हैं। ऐसी घटनाओं की जवाबदेही स्पष्ट रूप से तय होनी चाहिए। अहमदाबाद हादसे से देश उबरा भी नहीं है कि बुधवार की रात विमान यात्री उस समय सहम गए, जब दिल्ली से गोवा जा रहे विमान का एक इंजन रास्ते में खराब हो गया। यह एक आपात स्थिति थी। लिहाजा मार्ग बदल कर उसे मुंबई में सुरक्षित उतार लिया गया। पायलट के समय रहते संदेश के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। यह चिंता की बात है कि विमानों के इंजन फेल होने के मामले बढ़ रहे हैं। विमानन कंपनियां डीजीसीए की हिदायत के बाद भी सजग नहीं दिख रही हैं। विडंबना यह है कि सुरक्षा या अन्य स्तर की जांच के संबंध में सख्त निर्देश किसी बड़े हादसे के बाद ही आते हैं।विमान के इंजन बंद होने या किसी भी तकनीकी खराबी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हाल ही में इंडिगो का ही एक विमान पटना में हवाई पट्टी को छू कर दोबारा उड़ गया था और इस दौरान यात्रियों की सांसें अटकी रहीं। पांच मिनट बाद उसे सुरक्षित उतारा गया। अधिकतर हादसे विमान के उड़ान भरने या उतरते समय ही हुए हैं। सवाल है कि विमानों में तकनीकी खराबी के मामले क्यों बढ़ रहे है? किसी भी विमान की उड़ान से पहले सुरक्षा जांच और तकनीकी रूप से हर कसौटी पर सौ फीसद दुरुस्त होना सुनिश्चित किया जाना अनिवार्य है। एक छोटी-सी खामी या भूल उड़ान और उसमें सवार सभी यात्रियों के जीवन को खतरे में डाल सकती है।

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

(ललित गर्ग)

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं

होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं। क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी से उपजी उम्मीदें

(संजय बनर्जी ,रिटायर्ड कर्नल)

आजादी के शुरुआती वर्षों में उपकरण, हथियार व गोला-बारूद आयात करने के लिए रूस (पूर्व सोवियत संघ), फ्रांस, स्वीडन और कुछ अन्य देशों को प्राथमिकता दी गई, जिन्होंने हमें तकनीक मुहैया कराने के साथ-साथ हमारे लोगों को प्रशिक्षित किया और यहां तक कि भारत-भूमि पर उत्पादन में भी उन्होंने हमारी मदद की। हालांकि, भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीति पर अडिग रहा, पर रूस ने संकट की स्थितियों में हमारी मदद की है। हमने रूस के साथ अत्यंत प्रभावी ब्रह्मोस मिसाइल विकसित की है।

पहलगाम नरसंहार के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ जब भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया, तो हमारी मिसाइलों, ड्रोनों व मानवरहित लड़ाकू विमानों ने न केवल लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने तबाह किए, बल्कि अग्रिम पंक्ति के कई पाकिस्तानी हवाई अड्डों को भी ध्वस्त किया। जब उसने अपने ड्रोन, मिसाइलों और विमानों से जवाबी कार्रवाई की कोशिश की, तो भारतीय वायु सेना की रक्षा व ड्रोन-रोधी प्रणालियां बेहतर साबित हुईं और हरेक पाकिस्तानी हमलों को उन्होंने नाकाम कर दिया।

मगर इस पूरे संघर्ष में जिस एक बात ने पाकिस्तान को हताशा से भर दिया और दुनिया भर को चौंकाया, वह थी- भारत द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार। इनमें से ज्यादातर लॉन्चिंग प्लेटफॉर्म, वायु रक्षा व ड्रोन-रोधी प्रणालियां 'मेड इन इंडिया' (स्वदेशी) थीं। रक्षा उत्पादन में हमारी वैज्ञानिक और तकनीकी तरक्की ने सबका ध्यान आकर्षित किया है। यह सभी जानते हैं कि आधुनिक युद्ध अब बहुत हद तक उच्चतम गुणवत्ता वाले हथियारों की उपलब्धता और तैनाती पर निर्भर करता है, जिसमें प्रभावी निगरानी प्रणाली, हवाई सुरक्षा प्रणाली और ड्रोन-रोधी प्रणाली शामिल हैं।

अंग्रेजों ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अपनी सेना और मित्र देशों की फौजों को गोला-बारूद, उपकरण व सैन्य भंडार उपलब्ध कराने के लिए जिन आयुध कारखानों की स्थापना भारत में की थीं, आजादी के बाद वे सब हमारे पास ही रहे। हाल-हाल तक आयुध निर्माणी बोर्ड के तहत ये कारखाने पिस्तौल और राइफल जैसे छोटे हथियार, सैन्य जीप व ट्रक जैसे वाहन, टैंक, तोप जैसे बख्तरबंद वाहन और विभिन्न प्रकार के गोला-

बारूद व विस्फोटक एवं सैन्य उपकरणों का उत्पादन करते थे। आजादी के शुरुआती वर्षों में उपकरण, हथियार व गोला-बारूद आयात करने के लिए रूस (पूर्व सोवियत संघ), फ्रांस, स्वीडन और कुछ अन्य देशों को प्राथमिकता दी गई, जिन्होंने हमें तकनीक मुहैया कराने के साथ-साथ हमारे लोगों को प्रशिक्षित किया और यहां तक कि भारत-भूमि पर उत्पादन में भी उन्होंने हमारी मदद की। हालांकि, भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीति पर अडिग रहा, पर रूस ने संकट की स्थितियों में हमारी मदद की है। हमने रूस के साथ अत्यंत प्रभावी ब्रह्मोस मिसाइल विकसित की है, जो हमारे दुश्मनों के लिए ईर्ष्या का विषय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस ने निर्धारित लक्ष्यों पर अचूक निशाना साधकर कमाल कर दिया।

मगर युद्धक साजो-सामान के मामले में आयात पर बहुत अधिक निर्भर रहना कोई बुद्धिमानी नहीं है। विशेष रूप से चीन और पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों की विफलताएं, हमारे लिए एक बड़ा सबक है कि रक्षा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर होने की दिशा में हमें तेजी से कदम उठाना चाहिए। जो विशेषज्ञता हम अपनी रक्षा-प्रणालियों को विकसित करके हासिल कर सकते हैं, वह विदेशी मूल के उत्पादों से प्राप्त नहीं हो सकती। ऐसा नहीं है कि भारत इसे नहीं समझता। वर्षों से हम अपने युद्धक टैंक, लड़ाकू विमान, युद्धपोत, तोप, मिसाइल और अन्य महत्वपूर्ण उपकरण डिजाइन और निर्माण करने का प्रयास करते रहे हैं। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख रहते समय हमने नाग, आकाश, पृथ्वी, अग्नि जैसी मिसाइलों के निर्माण में सफलता पाई है। ऐसे में, रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी एक स्वागतयोग्य कदम है और इससे इस क्षेत्र को मजबूती भी मिलेगी। निजी रक्षा उत्पादन उद्योग के जरिये हमारे सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग व वैज्ञानिक प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें देश में रोके रखने में सहायता मिलेगी, जिसका सुफल अनुसंधान, विकास और उत्पादन में हमें प्राप्त होगा। जाहिर है, स्वदेशी उत्पाद न केवल हमारी अपनी जरूरतों को पूरा करेंगे, बल्कि मित्र देशों को रक्षा उपकरणों के निर्यात से हमें अच्छी कमाई भी करा सकते हैं। रक्षा से जुड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अग्रणी निजी कंपनियों के साथ स्टार्टअप का सहयोग लेकर हमें रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करनी चाहिए। और इसके लिए हमें चीन, रूस, अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करनी होगी। ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5799

1	2	3	■	■	4	5	6
7			8	■	9		
	■	10		11		■	
12	13		■		■	■	
■	14		15	■	16	17	■
18		■	19	20			21
22		23				■	
24			■	25			■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 27 अगस्त 1976 की वो बेरहम शाम जब कायनात ने इस प्रसिद्ध पार्श्व गायक को हमसे छीन लिया (3)
4. लिखने वाला, लेखक (3)
7. समालापक, गायक, आलाप लेने वाला (4)
9. मध्यप्रदेश के अंचलों में से एक जहां लता मंगेशकर की जन्म भूमि है (3)
10. उड़ानहीन पक्षी (4)
12. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
14. ईश्वर, प्रभु (3)
16. कौच, किसी को बैठने के लिए बनाया गया एक वस्तु (2)
18. मर्यादा, गौरव, दृढ़ प्रतिज्ञा (2)
19. जालिम, अन्यायी (5)
22. उपहार में देना, रिश्वत देना (6)
24. कोमल, मुलायम, मृदुल (3)
25. पिरोना, नत्थी करना, वशाधीन करना, बस में करना (3)

ऊपर से नीचे

1. निरीक्षण, परीक्षण (उर्दू)(4)
2. इस फल को कदरी या कदली भी कहते है (2)
3. शपथ ग्रहण करने वाला, शपथ ग्रहीता, शपथी (5)
4. कामेश्वरी देवी का एक नाम, तंत्रोक्त की एक देव की मूर्ति (3)
5. शरीर पर काले रंग का ऊभरा हुआ दाग या धब्बा (2)
6. यह रोग पाइल्स भी कहलाता है (4)
8. बीता या आने वाला दिन (2)
11. क्षण, लम्हा (2)
13. वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पड़े (5)
15. काव्य मर्मज्ञ (3)
16. गुजरात में स्थित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक (4)
17. होलिकात्सव पर गाया जाने वाली गीत (2)
18. मुंखमंडल, चेहरा (3)
20. सद्गति प्राप्त करना (3)
21. जले या कटे हुए कपड़े को तागे से भरकर उसे बराबर करना (2)
23. प्रेमकर्ता, प्रसन्ताप्रद (2)

वर्ग पहेली 5798 का हल

अ	मे	रि	का		से	च	ना
शो	ला		या	द	क	र	ना
क		अ	प	ना		क	
कु	रू		ल	द	ना		शौ
मा	प		ट	न	क	ना	
र	व					ते	ज
	ती	ज	न	बा	ई		ल
		या	द	बू	द		ना

बारिश का मौसम यानि वातप्रकोप का काल, संभलकर नहीं रहे तो बीमारी तय

(वैद्य प्रदीप चौधरी)

पिछले कुछ हफ्तों से ओपीडी में एक ही लक्षण के अलग-अलग नाम आ रहे हैं

* शरीर भारी लगता है
* भूख नहीं लग रही
* खाया हज़म नहीं होता
* नींद आते हुए भी मन बेचैन है
* पेट रह-रह कर फूलता है
* पुराना जोड़ों का दर्द फिर से लौट आया है

सभी में एक कारण प्रमुख है–ऋतुचर्या की उपेक्षा। जुलाई मध्य से उत्तर भारत में वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुकी है। आयुर्वेद में इसे 'वातप्रकोप का काल' माना गया है। मतलब, साल के बाकी समय जो वात शरीर में सुषुप्त पड़ा रहता है, वो इस मौसम की नमी, मंद अग्नि, और असंयमित दिनचर्या के कारण सक्रिय हो उठता है।

वर्षा ऋतु कोई सामान्य मौसम नहीं, यह शरीर के सन्तुलन की परीक्षा की घड़ी होती है। गर्मी के बाद आई यह ऋतु, जब बाहर का पानी भीतर के अग्नि को और धीमा कर देता है। ऐसे में जो चीज़ें सामान्यतः पच जाती थीं, अब वही अपक्व रह जाती हैं और 'आम' उत्पन्न करती हैं। यही आम,पेट फूलने से लेकर मन की बेचैनी, नींद की गड़बड़ी, भूख की कमी और जोड़ों के पुराने दर्द तक का कारण बनता है।

क्या करें: हल्का, ताज़ा और गरम खाना खाएं – पुराना चावल, मूँग, सूप, घी, अदरक, सौंठ जैसे पाचक द्रव्य मुख्य रहें। भोजन कम मात्रा में, हल्का और पाच्य लें। मूंग, जौ, पुराना चावल, सूप, पतली खिचड़ी, और त्रिकटु (सोंठ, मरीच, पिप्पली) से युक्त भोजन अग्नि को बल देता है। दूध, दही, छाछ और भारी, तैलीय, बासी या तले भोजन से परहेज़ करें। इनसे कफ बढ़ता है और पाचन अग्नि पूरी तरह मंद हो जाती है।शहद का सेवन लाभकारी है, लेकिन दूध के साथ नहीं। शहद कफनाशक और अग्निवर्धक होता है।

स्नान के बाद त्वचा को अच्छी तरह पोछें और बालों को गीला न छोड़ें: ठंडी हवा और गीले कपड़े वातविकार को बढ़ा सकते हैं। तेल मालिश (तैलाभ्यंग) सप्ताह में कम से कम दो बार करें। तिल तेल से मस्तिष्क, पैरों और कमर की मालिश विशेष लाभकारी है। इससे वात का शमन होता है। घर में कीटाणुनाशक धूप दें लोबान, गूगल, नीम की सूखी पत्तियाँ। इससे वर्षा ऋतु में फैलने वाले कीटजनित रोगों से बचाव होता है।

मानसिक स्थिति को स्थिर रखें: वर्षा ऋतु में मन भी भारी हो जाता है, और चिंता या ऊब अधिक होती है। इसलिए योग, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करें।

आज का राशिफल

मेष

आज कामकाज के सिलसिले में नेतृत्व की भूमिका निभानी पड़ सकती है। लेकिन आपको किसी भी प्रकार के वाद-विवाद और बहस से दूरी बनाकर रखनी होगी, अन्यथा कोई बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। वहीं, अगर आपके नेतृत्व की भूमिका श्रेय किसी और को मिलता है, तो आपको शांत रहना होगा। तभी आप खुद पर नियंत्रण रख पाएंगे।

वृष

आज मामले में आपका दिन कुछ खास नहीं रहने वाला है। आप अपने संतान या भाई-बहन के जीवन के बारे में कुछ सोच-विचार कर सकते हैं। व्यापार को लेकर भी आपको चिंता हो सकती है, जिसके चलते मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना है। आपको धन-संपत्ति से जुड़ी कुछ समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है और सेहत भी कुछ खास अच्छी नहीं रहेगी।

मिथुन

आज धन कम होने की चिंता सता सकती है। ऐसे में अनावश्यक चीजों पर खर्च करने से बचना होगा, अन्यथा भविष्य में पैसों की तंगी हो सकती है। व्यापार में आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की जरूरत है और किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचें। इस समय दिया हुआ धन वापस मिलने की बहुत कम संभावना है।

कर्क

आज अपने कामकाज या कारोबार को लेकर चिंता में थे, तो अब वह दूर हो सकती है। लेकिन इसके लिए आपको हाथ में आए मौकों को खोने से बचना होगा तभी लाभ प्राप्त होगा। किसी नए व्यवसाय या प्रोजेक्ट से जुड़े रहना आपके लिए इस समय ज्यादा बेहतर होगा। ऐसा करने से आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

सिंह

आज किसी कानूनी विवाद या दूसरे प्रकार के कोर्ट कचहरी के मामले में फंसे हुए हैं, वे अब इनसे बाहर निकलने का प्रयास कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको अपने सभी जरूरी और आवश्यक पत्रों व दस्तावेजों को संभालकर रखना होगा। व्यापार के मामले में आपको लाभ प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

कन्या

आज अगर लंबे समय से कुछ मामले चिंता का कारण बने हुए हैं, तो उनसे थोड़ी राहत मिल सकती है। जो लोग अपनी आमदनी और आय के स्रोत को मजबूत करने के प्रयास में लगे हुए थे अब वे इस मामले में आत्मनिर्भर हो सकते हैं। ऐसे में अब आपको अपने परिवार में शादी या बच्चों के नए एडमिशन के छोटे-छोटे मामलों पर भी ध्यान देना होगा।

तुला

आज मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए आपको कुछ मामलों में खर्च करना पड़ सकता है। व्यापार में आपको अपने आसपास के लोगों पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी और निजी खर्च बढ़ने की भी संभावना है। परिवार के बीच किसी जरूरी विषय के बारे में बात हो सकती है। इस समय आपको विवाद या बहस से बचना होगा।

वृश्चिक

आज किसी भी मामले में जरूरत से ज्यादा बोलने से बचना होगा। ऐसा करने से अन्य लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना कर सकते हैं। ऐसे में आवश्यकता पड़ने पर ही बोलना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर आपको अपने काम करने के तरीके पर ध्यान देना होगा। ऐसा करने से आपको जल्द ही सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

धनु

आज आपको कार्यस्थल पर किसी महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान देना पड़ सकता है। इसमें आपको सफलता भी प्राप्त हो सकती है। आपको कामकाज के सिलसिले या निजी जरूरतों के लिए खुद से कमाया हुआ धन खर्च करना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में कोई भी काम सोच-समझकर करना बेहतर रहेगा।

मकर

आज आने वाले सभी दस्तावेजों और पत्रों का जवाब देना होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां तो बढ़ेंगी, लेकिन इसके साथ-साथ कई नए-नए ऑफर भी प्राप्त होंगे। जिनसे लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। आपको किसी एजेन्सी या वितरण केन्द्र के लिए अपनी सहमति देने से लाभ प्राप्त हो सकता है।

कुंभ

आज हमेशा की तरह किसी काम को पूरा करने के लिए तैयार रहने होगा। अगर आप समय पर महत्वपूर्ण कार्य को पूरी लगन और निष्ठा के साथ करते हैं, तो लाभ जरूर प्राप्त होगा। समाज के बीच आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आपको कार्यस्थल पर उन्नति के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।

मीन

आज लंबे समय से परेशान थे तो अब कामकाज के मामले में आप राहत और प्रसन्नता महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में शांति स्थिति बनी रहेगी और सभी लोग अपने काम में लगे रहेंगे। आप खुद को प्रभावशाली बनाने के लिए कोई योजना बना सकते हैं या कोई फैसला भी ले सकते हैं। नए वस्त्र और जरूरी चीजों को खरीदने में भी धन खर्च हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मंत्री गिरीश महाजन का दावा- संसद में बढ़ेगा भाजपा का संख्याबल, 7 सांसदों के टूटने के आसार

सोलापुर , एजेंसी। महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने रविवार को दावा किया कि विपक्षी खेमे के कुछ सांसद, विशेषकर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद, भाजपा के संपर्क में हैं और संकेत दिया कि आने वाले दिनों में संसद में पार्टी का संख्याबल बढ़ेगा। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने कहा कि महाराष्ट्र में 'ठाकरे ब्रांड' अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। महाजन ने सोलापुर जिले के प्रसिद्ध पंढरपुर मंदिर में दर्शन करने के बाद संवाददाताओं से कहा, भाजपा के सांसदों की संख्या और बढ़ेगी। पहले चार सांसद हमारे संपर्क में थे, अब तीन और के जुड़ने की संभावना है। ये सांसद विभिन्न दलों के हैं, लेकिन अधिकतर शिवसेना (यूबीटी) गुट से हैं। 'सामना' के कार्यकारी संपादक संजय राउत के साथ एक साक्षात्कार में, उद्धव ने कहा है कि ठाकरे केवल एक 'ब्रांड' नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र, मराठी मानुस और हिंदू गौरव की पहचान है। महाजन ने कहा, ठाकरे ब्रांड बहुत पहले ही अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। बालासाहेब ठाकरे असली शिवसेना के नेता थे, लेकिन 2019 में उद्धव ठाकरे के कांग्रेस के साथ गठबंधन करने के बाद स्थिति बदल गई। उन्होंने बालासाहेब की विचारधारा को त्याग दिया। तभी ठाकरे ब्रांड का अस्तित्व समाप्त हो गया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए रोम के सम्राट नीरो का जिक्र किया। शिवसेना प्रमुख शिंदे ने उद्धव का नाम लिए बिना कहा, यह अजीब बात है कि कुछ लोग तब भी जश्न मना रहे हैं, जब लोग उनकी पार्टी (शिवसेना-उबाठा) छोड़ रहे हैं। हमने इस तरह का व्यवहार पहले कभी नहीं देखा। 'जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था'। उन्होंने विपक्ष के चुनाव हारने पर निर्वाचन आयोग की चुनिंदा आलोचना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आत्मनिरीक्षण करने के बजाय, कुछ नेता सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप में लगे हैं और दूसरों को कोस रहे हैं।

केरल पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक गिरोह के सदस्यों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया

कोच्चि, एजेंसी। कोच्चि साइबर अपराध पुलिस ने फर्जी परिवहन सॉफटवेयर के जरिए देशभर में ऑनलाइन ठगी करने वाले एक गिरोह के सदस्यों को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य पुलिस मीडिया केंद्र द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, गिरफ्तार किये गये आरोपियों में उत्तर प्रदेश निवासी अतुल कुमार सिंह (32) और मनीष यादव (24) शामिल हैं जो व्हाट्सऐप के जरिये फर्जी एपीके फाइल भेजकर वाहनों के जुर्माने के नाम पर ठगी करते थे। इसके अनुसार इन फाइलों को इंस्टॉल कर मोबाइल में फर्जी ऐप खुलता था। फर्जी एपीके बनाने वाला मनीष का रिश्तेदार था जो 16 वर्ष का है। विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्रवाई एर्नाकुलम निवासी की शिकायत पर की गई जिसके साथ 85 हजार रुपये की ठगी की गई थी। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल से 2,700 से अधिक वाहनों का डेटा बरामद किया है।

कर्नाटक के बंटवाल में पुलिस उप निरीक्षक ने आत्महत्या की

बंटवाल, एजेंसी। बंटवाल में कार्यरत 55 वर्षीय पुलिस उप निरीक्षक ने रविवार को कथित तौर पर व्यक्तिगत और वित्तीय तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार के रहने वाले पीएसआई खीरप्पा के रूप में हुई है और वह चार महीने से बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाने में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि बंटवाल स्थित अपने किराये के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पहले खीरप्पा ने अपने परिवार के सदस्यों से अपनी परेशानी के बारे में बात की थी। वह 19 जुलाई को रात्रि गश्त ड्यूटी से लौटे थे। अगले दिन जब पुलिस थाने से फोन आने पर भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया तो खीरप्पा के सहकर्मी उनके घर पहुंचे और वहां उनका शव पाया। बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और विस्तृत जांच जारी है।

जम्मू कश्मीर के रियासी में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन, चार तीर्थयात्री घायल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर जाने के पुराने मार्ग पर सोमवार को भूस्खलन हो गया, जिससे कम से कम चार तीर्थयात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन कटरा शहर में हुई भारी बारिश के कारण हुआ। यह भूस्खलन सुबह करीब आठ बजकर 50 मिनट पर बाणगंगा के पास गुलशन का लंगर में हुआ। यह यात्रा का प्रारंभिक बिंदु है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए चार तीर्थयात्रियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

अमरनाथ यात्रा: तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा को लेकर भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 18 दिनों में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। 3 जुलाई से शुरू यात्रा 9 अगस्त को खत्म होगी। यात्रा में अभी 20 दिन बाकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक 3.07 लाख तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर लिए थे। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को भगवती नगर यात्री निवास से 3,791 यात्रियों का एक और जत्था कश्मीर घाटी के लिए दो काफिलों में रवाना हुआ। पहला काफिला 52 वाहनों के साथ 1,208 यात्रियों को लेकर सुबह 3:33 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए निकला। दूसरा काफिला 96 वाहनों के साथ 2,583 यात्रियों को लेकर सुबह 4:06 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष भी हैं, ने रविवार को बालटाल आधार शिविर का दौरा किया। उपराज्यपाल ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बालटाल में एक लंगर (सामुदायिक रसोई) में यात्रियों के साथ दोपहर का भोजन किया। इस दौरान उपराज्यपाल ने यात्रियों से बातचीत भी की। उपराज्यपाल ने यात्रा के लिए की गई सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत बढ़ाने के लिए लाया गया है। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस की मौजूदा ताकत को बढ़ाने के लिए सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां लाई गई हैं। पूरे मार्ग को सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षित कर लिया गया है। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वाले लोग चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी से होकर गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और 46 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करते हैं। तीर्थयात्रियों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं। वहीं, छोटे बालटाल मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने के लिए 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है और यात्रा पूरी करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौटना पड़ता है। सुरक्षा कारणों से इस वर्ष यात्रियों के लिए कोई हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है।

श्री अमरनाथ जी यात्रा भक्तों के लिए सबसे पवित्र धार्मिक तीर्थयात्राओं में से एक है, क्योंकि किंवदंती है कि भगवान शिव ने इस गुफा के अंदर माता पार्वती को शाश्वत जीवन और अमरता के रहस्य बताए थे।

एनएसयूआई की ओडिशा इकाई का अध्यक्ष किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी। कांग्रेस की छात्र शाखा 'भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन' (एनएसयूआई) की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष को एक होटल में 19 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना 18 मार्च को हुई थी लेकिन छात्राद्वारा रविवार को मंचेश्वर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद प्रकाश में आई। उन्होंने बताया, छात्र द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर मंचेश्वर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि महिला ने एनएसयूआई की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष पर यह भी आरोप लगाया कि उसने उसे कथित घटना के बारे में किसी को भी बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा, आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें दुष्कर्म और आपराधिक धमकी भी शामिल है।

दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र अगस्त के पहले सप्ताह में आयोजित होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र अगस्त के पहले सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सत्र से पहले, कागज रहित कार्यवाही को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए विधायकों के लिए 'नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन' (नेवा) पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू होगा। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता विधानसभा परिसर में नव स्थापित नेवा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करेंगे, जहां संसदीय कार्य मंत्रालय के विशेषज्ञ प्रशिक्षक 23 जुलाई तक सत्रों का नेतृत्व करेंगे। गुप्ता ने कहा, ''डिजिटल परिवर्तन अब एक विकल्प नहीं बल्कि जन-केंद्रित कानून की आवश्यकता बन गया है।'' सत्र का एक प्रमुख एजेंडा निजी स्कूल शुल्क को विनियमित करने वाला विधेयक है, जो 29 अप्रैल को कैबिनेट द्वारा पारित अध्यादेश पर आधारित है।

दोस्त के कहने पर ज्योतिषी के पास गई छात्रा, तंत्र के बहाने करने लगा छेड़छाड़; गिरफ्तार

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में सतारा रोड के पास कानून की पढ़ाई करने वाली छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस आरोप में एक ज्योतिषी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान अखिलेश लक्ष्मण राजगुरु के रूप में हुई जो 45 साल का है। 19 जुलाई की यह घटना बताई जा रही है। पीड़िता ने उसी दिन सहकारनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राजगुरु को अरेस्ट कर लिया। अब उससे पूरे मामले को लेकर पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता 12 जुलाई को अपने भाई के साथ राजगुरु के पास गई थी। वह एक दोस्त की सलाह पर अपने भाई का कुंडली दिखाने वहां पहुंची थी। राजगुरु ने उसे बताया कि इसके लिए विशेष जड़ी-बूटी की आवश्यकता है। इसके बाद 18 जुलाई को उसने मैसेज करके बताया कि जड़ी-बूटी मंगा ली गई है और उसे अगले दिन अकेले आने के लिए कहा। 19 जुलाई को पीड़िता उस ज्योतिषी के पास पहुंच गई और उसने तंत्र-मंत्र का दिखावा शुरू कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, अखिलेश लक्ष्मण राजगुरु ने उसे एक वस्तु सिर पर रखने और मंत्र पढ़ने को कहा। पीड़िता को कुछ देर बाद ही गलत होने का एहसास हो गया।

सफदरजंग अस्पताल में चिकित्सकों ने मरीज के पेट से 10 किलोग्राम वजन का ट्यूमर निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टरों की एक टीम ने एक मरीज के पेट से 10.6 किलोग्राम का गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर (जीआईएसटी) सफलतापूर्वक निकाला है। यह ट्यूमर उसके कई भीतरी अंग प्रणालियों पर अत्यधिक दबाव डाल रहा था। 'गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर' पाचन तंत्र में होने वाले दुर्लभ कैंसरयुक्त ट्यूमर हैं।

पेट से 10 किलोग्राम वजन का ट्यूमर निकाला अस्पताल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि ट्यूमर मरीज के पेट और उसके आस पास के अंगों के आवरण समेत लगभग सभी हिस्सों तक फैल गया था। मरीज आठ महीने से इस बीमारी से पीड़ित था। इस प्रक्रिया के लिए असाधारण सर्जिकल विशेषज्ञता की आवश्यकता थी क्योंकि सर्जिकल प्रक्रिया के दौरान इसे बाहर निकालना और सर्जरी के बाद की स्थिति में मरीज को संभालना बेहद जटिल प्रक्रिया थी। ट्यूमर को सर्जरी कर निकालना काफी जटिल था वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने कहा, ''सर्जरी के क्षेत्र में यह उल्लेखनीय उपलब्धि अस्पताल में उत्कृष्ट सहयोगात्मक चिकित्सा पद्धति को दर्शाती है।'' उन्होंने कहा, ''10.6 किलोग्राम वजन के इस बड़े आकार के ट्यूमर को सर्जरी कर निकालना काफी जटिल था, क्योंकि इसमें कई अंग

प्रणालियां शामिल थीं। सर्जरी की सफलता हमारी टीम की रोगी देखभाल और सर्जिकल नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। निदेशक ने कहा कि ऐसे जटिल मामलों में न केवल उन्नत सर्जिकल कौशल की आवश्यकता होती है, बल्कि विशेषज्ञ सर्जिकल टीम से लेकर कुशल एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (एनेस्थेसिया विशेषज्ञों) और समर्पित नर्सिंग स्टाफ से लेकर अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय की भी आवश्यकता होती है। अस्पताल ने अपने बयान में कहा कि सर्जरी के बाद चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग की टीम मरीज के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है।

दिल्ली में बच्चों को गैर-हिंदी भाषाएं सिखाने की संभावनाएं तलाशेंगे : मुख्यमंत्री गुप्ता : नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए अन्य राज्यों के छात्रों के साथ एक कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस पहल पर हाल में कला, संस्कृति एवं विभाग के साथ हुई बैठक में चर्चा की गई। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बच्चों को गैर-हिंदी भाषाएं सिखाने की संभावनाएं तलाशने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे उन्हें अन्य राज्यों की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को समझने में मदद मिलेगी। गुप्ता ने कहा कि इस तरह की पहल से देश की विविधता में एकता को काफी मजबूती मिलेगी। अधिकारियों को राजधानी में भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश भी दिया गया।

सरकार और विपक्ष मिलकर जनहित और देशहित के मुद्दों पर करें चर्चा : मायावती

लखनऊ , एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर देश और जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा की अपील की है।

उन्होंने सरकार और विपक्ष से पार्टी हितों से ऊपर उठकर देशहित और जनहित के लिए एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि संसद का यह सत्र महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, आंतरिक और सीमा सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर ठोस नीतियां बनाने का अवसर होना चाहिए। बसपा प्रमुख ने चिंता जताई कि पिछले सत्रों की तरह इस बार भी संसद में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव, हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप हो सकते हैं, जिससे जनता के लिए अच्छे दिन की उम्मीद धूमिल हो सकती है।

मायावती ने कहा कि देश की जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, क्षेत्रीय और भाषाई विवादों, हिंसक टकराव और

अपर्याप्त सुविधाओं से जूझ रही है। इन समस्याओं के समाधान के लिए संसद में सार्थक बहस और दीर्घकालिक नीतियां बनाना जरूरी है, ताकि देश विकास के रास्ते पर आगे बढ़े और सभी वर्गों का कल्याण हो।

उन्होंने वैश्विक स्तर पर बदलते राजनीतिक और आर्थिक हालात का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र और संप्रभुता के सामने नई चुनौतियां उभर रही हैं। इनका मुकाबला करने के लिए सरकार को विपक्ष और जनता को विश्वास में लेकर एकजुटता के साथ काम करना होगा। मायावती ने जोर दिया कि सरकार और विपक्ष को पार्टी हितों से ऊपर उठकर देशहित में एकता दिखानी चाहिए। पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा की मांग करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए।

उन्होंने जोर दिया कि देश और सीमाओं की सुरक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन विपक्ष को भी इस मामले में पार्टी हितों से ऊपर उठकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश और जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है, और इसके लिए सरकार और विपक्ष दोनों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सत्र जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा और संसद सुचारू रूप से चलकर देश के विकास और लोगों की तरक्की के लिए ठोस कदम उठाएगा।

ईडी ने चार्जशीट में बताया- हरियाणा की लैंड डील से रॉबर्ट वाड्रा को मिले 58 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित डीएलएफ प्रोजेक्ट की लैंड डील में अनियमितता की जांच कर रही ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ रुपये हासिल करने का आरोप लगाया है। एजेंसी का कहना है कि शिकोहपुर गांव में जो जमीन खरीदी गई थी, उसमें गड़बड़ी थी और उससे 58 करोड़ रुपये की रकम वाड्रा को मिली थी। ईडी ने इस केस में बीते सप्ताह ही रॉबर्ट वाड्रा समेत 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। शिकोहपुर में ही गुरुग्राम का सेक्टर 83 बसा हुआ है। इस जमीन को डीएलएफ ने खरीदा था और वहां कई सोसायटियां बस गई हैं। फिलहाल यहां जमीन काफी महंगी है, लेकिन एक समय में यहां 3.5 एकड़ की भूमि महज 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी गई थी। यह जमीन रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर ली गई थी। फिर इसे डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में 2012 में बेच दिया गया था। यह मामला तब सामने आया, जब आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने इस जमीन के म्यूटेशन यानी दाखिल खारिज पर रोक लगा दी थी। इस केस में रॉबर्ट वाड्रा से एजेंसी कई राउंड की पूछताछ कर चुकी है और उसके आधार पर ही चार्जशीट दाखिल की गई है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस लैंड डील के लिए 53 करोड़ रुपये का भुगतान

स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के नाम से किया गया था। इसके अलावा 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर दिए गए। आरोप है कि रॉबर्ट वाड्रा के नाम जमीन जाने के बाद उसका लैंड यूज बदला गया था। ईडी का कहना है कि इस रकम का इस्तेमाल रॉबर्ट वाड्रा ने इस पूंजी का इस्तेमाल कुछ अचल संपत्तियों की खरीद, निवेश, लोन चुकाने आदि में किया। ईडी का कहना है कि रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को कॉमर्शियल लाइसेंस देने के मामले में भी काफी गड़बड़ियां की गई थीं। बता दें कि इस मामले को लेकर राजनीति भी तेज है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पहली बार खुलकर रॉबर्ट वाड्रा का बचाव किया है।

उत्तराखंड में अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण की तैयारी

देहरादून, एजेंसी। सैनिक के रूप में देश की आन-बान-शान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने के बाद नागरिक जीवन में लौटने वाले पूर्व अग्निवीरों को उत्तराखंड में सरकारी सेवाओं में 10 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण मिल सकता है। अग्निवीरों के कल्याण और पुनर्वास के लिए उत्तराखंड सरकार विभिन्न विभागों की भर्तियों में क्षैतिज आरक्षण की सुविधा देने की तैयारी कर रही है। कार्मिक विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर विधायी विभाग को परामर्श के लिए भेज दिया है।

रविवार को कार्मिक विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हिन्दुस्तान को बताया कि आरक्षण प्रस्ताव पर पिछले कुछ समय से मंथन चल रहा था। विधायी परामर्श के बाद आरक्षण प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी के लिए जाया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अग्निवीरों को वर्दीधारी सेवाओं में आरक्षण देने की सिफारिश की गई है। उत्तराखंड में पुलिस के साथ ही परिवहन, आबकारी, वन विभाग समेत कई विभाग हैं। अग्निवीर सेना से प्रशिक्षित होने की वजह से प्रवर्तन सेवाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिछले साल घोषणा की थी कि अग्निवीरों के सेवा पूरी करने के बाद उनके समायोजन, पुनर्वास के लिए ठोस व्यवस्था की जाएगी। इससे

देश की सेवा के लिए समर्पित होने वाले नौजवानों को सेवा अवधि पूरी करने के बाद रोजगार, पुनर्वास के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद सरकार ने सैनिक कल्याण सचिव दीपेंद्र चौधरी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। यह कमेटी भी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है। इसमें अग्निवीरों को सेना में सेवा की अवधि के वर्षों की संख्या के अनुसार सरकारी सेवाओं में अधिकतम आयु सीमा में छूट, सेवा से लौटने के बाद शैक्षिक योग्यता बढ़ाने के इच्छुक पूर्व अग्निवीरों को राज्य के शिक्षण संस्थानों की सीटों पर एक तय सीमा तक आरक्षण तथा राज्य की स्वरोजगार और ऋण योजनाओं में भी प्राथमिकता देने की सिफारिश की गई है। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत भर्ती होने युवाओं को अग्निवीर नाम से जाना जाता है। यह सेवा चार साल की है। इसमें 25 प्रतिशत अग्निवीरों को सेना में स्थायी होने का अवसर भी मिलता है। वर्ष 2022 में यह योजना शुरू हुई थी। चार साल पूरे होने पर अग्निवीर वर्ष 2026 से नागरिक जीवन में लौटना शुरू करेंगे। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार भी राज्य पुलिस बल में अग्निवीरों को 20 फीसदी क्षैतिज आरक्षण दे चुकी है। उन्हें आयु में 3 वर्ष की छूट भी प्रदान की गई है। इसके अलावा राजस्थान और हरियाणा में भी अग्निवीरों को आरक्षण देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा कई केंद्रीय बलों में भी उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

नुवान कुलशेखरा छोटे से शहर से निकला वो गेंदबाज, जिसने विश्व क्रिकेट में जमाई धाक

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के एक छोटे से शहर, निट्टंबुवा में 22 जुलाई 1982 को जन्मे नुवान कुलशेखरा ने 21 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच में डेब्यू किया। दुबले-पतले नुवान कुलेशखरा ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में 9 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 19 रन देकर 2 शिकार किए। नुवान कुलशेखरा अपने डेब्यू वनडे मैच में ही छाप छोड़ चुके थे, लेकिन टेस्ट फॉर्मेट के लिए उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ गया। नुवान ने अप्रैल 2005 में पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेला। साल 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 133 गेंदों में 63 रन की पारी खेली। यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अप्रैल 2008 से 12 महीनों के भीतर 29 मैचों में 20.97 की औसत से 47 विकेट लिए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 28 और इकॉनमी रेट 4.45 रहा। लंबे रन-अप के साथ गेंदबाजी करने वाले कुलशेखरा गेंद को स्विंग कराने में उस्ताद थे। साल 2009 में वह गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए।

चामिंडा वास के संन्यास के बाद कुलशेखरा को वनडे फॉर्मेट में भरपूर मौका मिला। इस बीच लसिथ मलिंगा का प्रदर्शन भी खराब था। ऐसे में कुलशेखरा टीम के अहम गेंदबाज बन गए। कुलशेखरा साल 2009 की प्रतिष्ठित आईसीसी विश्व वनडे टीम में शामिल हुए। कुलशेखरा ने वनडे वर्ल्ड कप-2011 के फाइनल में महेला जयवर्धने के साथ 66 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 274 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन टीम को खिताब जीतने का मौका नहीं मिला। इसी साल चेन्नई सुपर किंग्स ने कुलशेखरा को 6.5 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। इसके बाद कुलशेखरा ने चैंपियंस ट्रॉफी-2013 में अपनी चमक बिखेरी, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ-साथ नुवान कुलशेखरा की गति अब पहले जैसी नहीं रही थी। वहीं, साल 2016 में उनकी कार से एक शख्स की मौत हो गई, जिसके बाद उन्हें कुछ वक्त के लिए पुलिस हिरासत में रहना पड़ा था। हालांकि, बाद में कुलशेखरा को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके बाद कुलशेखरा ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में वापसी की, लेकिन साल 2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया।

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर

● प्रैक्टिस के समय घुटने में चोट लगी, अर्शदीप चौथा टेस्ट नहीं खेलेंगे, अंशुल कंबोज को मौका

मैनचेस्टर, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। रविवार को प्रैक्टिस सेशन के समय नीतीश को घुटने में चोट लगी थी। सोमवार को मीडिया रिलीज में बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी पूरी टेस्ट सीरीज से और लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अर्शदीप सिंह को बेकेनहम में नेट प्रैक्टिस के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लगी थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी हालत पर नजर रखे हुए है। अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। वह मैनचेस्टर में टीम के साथ जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से शुरू होगा। इससे पहले खबर आई थी कि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी चोट के कारण चौथे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाएगा।

25 रन बनाते ही कप्तान शुभमन गिल रच देंगे नया इतिहास...

टूटेगा इस पाकिस्तानी दिग्गज का 19 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई (बुधवार) से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट मैच खेला जाना है. भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे हैं, ऐसे में ये मुकाबला उसके लिए करो या मरो का है. अगर भारत मैनचेस्टर टेस्ट हारता है या ड्रॉ करता है, तो सीरीज जीतने का मौका गंवा देगा. इस मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पर सबकी निगाहें होंगी.

शुभमन गिल के पास बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका

शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान रचने के बेहद करीब हैं. यदि शुभमन मैनचेस्टर टेस्ट मैच में 25 रन बनाते हैं, तो वो 19 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे. शुभमन 25 रन बनाते ही इंग्लैंड में किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे. फिलहाल ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ के नाम दर्ज है. दाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने साल 2006 में इंग्लैंड में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज में 90.14 की बेहतरीन औसत से 631 रन बनाए थे. अब शुभमन गिल के पास मोहम्मद यूसुफ को पछाड़ने का सुनहरा मौका है. शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अब तक 3 मैचों में 607 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका औसत 101.16 रहा और उन्होंने तीन शतक लगाए. भारतीय कप्तान का मौजूदा सीरीज में सर्वोच्च स्कोर 269 रन रहा है, जो उन्होंने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में बनाया.

इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन (एशियाई बैटर)

मोहम्मद यूसुफ (पाकिस्तान) - 4 मैच, 631 रन, 2006

शुभमन गिल (भारत)- 3* मैच, 607 रन, 2025

राहुल द्रविड़ (भारत)- 4 मैच, 602 रन, 2002

विराट कोहली (भारत)- 5 मैच, 593 रन, 2018

सुनील गावस्कर (भारत)- 4 मैच, 542 रन, 1979

सलीम मलिक (पाकिस्तान)- 5 मैच, 488 रन, 1992

भारतीय टीम के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने शुभमन गिल को लेकर बड़ी बात कही है.

प्रोफेशनल बॉक्सिंग:

युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के उसिक बने हैवीवेट चैंपियन, डुबोइस को नॉकआउट कर जीता खिताब

लंदन, एजेंसी। डुबोइस को नॉकआउट कर 38 वर्षीय ओलेक्जेंडर उसिक दूसरी बार बने विश्व विजेता। उन्होंने अब तक 24 फाइट की हैं और सभी जीतीं भी हैं। युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के 38 वर्षीय पेशेवर मुक्केबाज ओलेक्जेंडर उसिक ने वेम्बली स्टेडियम में ब्रिटेन के डैनियल डुबोइस को पांचवें राउंड में नॉकआउट कर दोबारा निर्विवाद विश्व हैवीवेट चैंपियन का खिताब हासिल किया।

उसिक ने डुबोइस को एक जोरदार बाएं हुक से हराया, जिससे वह विश्व मुक्केबाजी संघ, परिषद और संगठन के बेल्ट्स बरकरार रखने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ बेल्ट भी वापस जीतने में सफल रहे। उसिक ने पिछले साल फ्यूरी को दो बार हराकर निर्विवाद हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता था।

मोहम्मद अली के रिकॉर्ड की बराबरी: उसिक अब दो बार खिताब जीतने वाले लीजेंड मोहम्मद अली और फ्लोएड पैटरसन के बाद तीसरे खिलाड़ी बन गए। उसिक ने कहा, मैंने साढ़े तीन महीने तैयारी की और इस दौरान परिवार और अपनी पत्नी को नहीं देखा।

निशांत की लगातार तीसरी जीत: भारतीय पेशेवर मुक्केबाज निशांत देव ने अमेरिकी मुक्केबाज लक्रान इवांस को हराया। 24 वर्षीय निशांत ने मुकाबले के छठे राउंड में 1:58 मिनट पर टेक्निकल नॉकआउट से जीत हासिल की।

फिडे विमेन वर्ल्ड कप:

कोनेरु हंपी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला

बटुमी, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने जॉर्जिया के बटुमी में खेले जा रहे फिडे विमेन वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। वह यहां तक का सफर तय करने वाली पहली भारतीय महिला चेस खिलाड़ी हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

हम्पी ने रविवार को क्वार्टर फाइनल के खेले गए दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी को ड्रॉ पर रोका। इससे पहले उन्होंने शनिवार रात बटुमी में दो गेमों की क्वार्टर फ़ाइनल सीरीज का पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल कर ली थी। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, हरिका द्रोणावल्ली और उभरती हुई स्टार दिव्या देशमुख के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि, इनमें से एक का सेमीफाइनल में जाने पर फैसला सोमवार को खेले जाने वाले दूसरे गेम के बाद होगा। इससे पहले हम्पी ने स्विट्जरलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक्स में 1.5-0.5 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची इस टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

वैशाली को मिली हार वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

अरोनियन ने जीता फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम खिताब, सातवें स्थान पर प्रज्ञानानंद

लास वेगास, एजेंसी। लेवोन अरोनियन ने फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हांस नीमन को 1.5-0.5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। 42 वर्षीय अरोनियन ने पिछले सप्ताह मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा को शिकस्त दी थी।

लास वेगास के विंन होटल में फाइनल की पहली बाजी ड्रॉ रही, लेकिन दूसरी बाजी में शानदार जीत दर्ज करते हुए उन्होंने खिताब और दो लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि अपने नाम की। दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें 1,60,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फाबियानो कारुआना को 2-0 से हराकर पांचवां स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रज्ञानानंद रमेशबाबू ने वेसली सो को 1.5-0.5 से हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

लेवोन अरोनियन ने खिताब जीतने के बाद कहा, यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैं इस अवसर के लिए बेहद खुश और आभारी हूं। हांस नीमन अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें उपविजेता रहते हुए 1,40,000 अमेरिकी डॉलर के साथ संतोष करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पहले गेम में बराबरी के बाद, कार्लसन ने दूसरे गेम में दबाव बनाया और बढ़त को भुनाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। फ्रीस्टाइल शतरंज की रिपोर्ट के अनुसार, लास वेगास में खिताबी मुकाबले से चूकने के बावजूद, इस नतीजे के साथ कार्लसन ग्रैंड स्लैम टूर की ओवरऑल स्टैंडिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं।

फाबियानो कारुआना पिछले दिन की तुलना में अधिक उत्साह से भरे नजर आ रहे थे। उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी को दो बार हराया और टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। प्रज्ञानानंद ने वेसली सो के खिलाफ दो गेम की जीत के साथ टूर्नामेंट में सातवां स्थान हासिल किया। उनकी निर्णायक जीत दूसरी बाजी में आई। भले ही प्रज्ञानानंद ने साल की शुरुआत में तीन टूर्नामेंट जीतकर शानदार खेल दिखाया, लेकिन इस टूर्नामेंट में अपनी फाइनल पोजिशन (सातवां स्थान) से वह पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।

क्रिकेट की दुनिया में हुई 2 नई टीमों की एंट्री, ICC ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। 20 जुलाई 2025 को सिंगापुर में आयोजित इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की एनुअल मीटिंग के बाद क्रिकेट की दुनिया के लिए एक ऐतिहासिक खबर सामने आई. आईसीसी ने 2 नई टीमों को एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया गया है.

इस फैसले के साथ आईसीसी के कुल सदस्यों की संख्या अब 110 हो गई है. यह कदम क्रिकेट को ग्लोबल लेवल पर और ज्यादा लोकप्रिय बनाने और नए क्षेत्रों में इसके विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.तिमोर और जाम्बिया आईसीसी के नए सदस्य बन गए हैं , बोर्ड ने प्रेस रिलीज करके इसका ऐलान किया. तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन को औपचारिक रूप से आईसीसी के एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया गया है. आईसीसी ने कहा, 'दो नए सदस्य आईसीसी परिवार में शामिल हुए हैं, जिससे कुल सदस्यों की संख्या 110 हो गई, जिसमें तिमोर-लेस्ते क्रिकेट फेडरेशन और जाम्बिया क्रिकेट यूनियन औपचारिक रूप से आईसीसी एसोसिएट सदस्य बन गए हैं.' बता दें, जाम्बिया आईसीसी में शामिल होने वाला 22वां अफ्रीकी देश बन गया है. दूसरी ओर तिमोर-लेस्ते अब पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र का 10वां सहयोगी सदस्य है, और 22 साल पहले 2003 में फिलीपींस के शामिल होने के बाद यह पहला देश है. तिमोर-लेस्ते में क्रिकेट की शुरुआत हाल के सालों में हुई है, और यह खेल वहां के युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. ऐसे में अब तिमोर-लेस्ते को बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा.

जाम्बिया की हुई वापसी

जाम्बिया क्रिकेट यूनियन की आईसीसी में वापसी एक प्रेरणादायक कहानी है. जाम्बिया को 2003 में आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता मिली थी, लेकिन 2019 में गवर्नेंस और अनुपालन संबंधी मुद्दों के कारण इसकी सदस्यता रद्द कर दी गई थी. 2021 में जाम्बिया को आईसीसी से निष्कासित कर दिया गया था, लेकिन अब चार साल बाद, जाम्बिया ने अपनी प्रशासनिक और संगठनात्मक कमियों को दूर करते हुए फिर से एसोसिएट सदस्यता हासिल की है। यह जाम्बिया के लिए क्रिकेट के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है.

आंद्रे अगासी के साथ तीन दिन का ट्रेनिंग सेशन, होल्गर रूने को मिले टिप्स

वाशिंगटन, एजेंसी । दुनिया के नंबर 8 टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूने ने डीसी ओपन से पहले वॉशिंगटन डीसी में आंद्रे अगासी के साथ तीन दिन का ट्रेनिंग सेशन किया, जिसमें उन्हें जरूरी सलाह मिली। इस ट्रेनिंग के बाद रूने खुद को और मजबूत महसूस कर रहे हैं। अमेरिकी समर हार्ड-कोर्ट सीजन की तैयारी के लिए बढ़त हासिल करने की चाहत रखते वाले होल्गर रूने ने दो बार के यूएस ओपन चैंपियन अगासी से मदद मांगी, ताकि वह अपने खेल को बेहतर बना सकें।

ट्रेनिंग उसी जगह हुई, जहां अगासी ने अपने करियर के 60 में से पांच खिताब जीते थे। रूने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यह एक शानदार अनुभव था। हम काफी समय से संपर्क में थे। वॉशिंगटन में हमने कुछ दिन साथ में बिताए, जहां उन्होंने मुझे कुछ चीजों में मदद की। यह मेरे लिए वाकई खुशी की बात थी। वह बेहद समझदार इंसान हैं। मैंने आज तक ऐसा कोई नहीं देखा, जो खेल को उनके नजरिए से देखता हो। उनका खुद का रिटर्न गेम शानदार था। मेरा भी रिटर्न अच्छा है। उन्होंने वहां कुछ टिप्स दिए, सलाह भी दी। उन्होंने कहा, बहुत ही कम समय की मुलाकात में उन्होंने बताया कि वह मुझे भविष्य में कहां देखते हैं, अभी कहां देखते हैं। जाहिर है कि मुझे अभी बहुत कुछ सुधारना है। उन्होंने मेरे कोच लार्स के साथ मिलकर मेरा ध्यान सही चीजों पर फोकस करने में मदद की। उनके साथ वक्त बिताना वाकई बहुत अच्छा रहा।

WCL 2025 में भारत के पाकिस्तान से खेलने से इनकार करने पर फड़फड़ा उठे शाहिद अफरीदी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत में कई बार ऐसे मौके आते हैं जब मैदान के बाहर की घटनाएं सुर्खियों बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही मामला हाल ही में सामने आया है जब भारत के पूर्व ओपनर शिखर धवन और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के बीच सोशल मीडिया पर तीखी तकरार देखने को मिली। बात सिर्फ शब्दों की नहीं, बल्कि देशभक्ति, सेना और पुरानी दुश्मनी की भावनाओं से जुड़ गई।

अफरीदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर की थी विवादित टिप्पणी: विवाद की शुरुआत तब हुई जब शाहिद अफरीदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी करते हुए भारतीय सेना पर सवाल उठाए। अफरीदी ने कहा, 'आपकी 8 लाख की फौज कुछ नहीं कर पाई। तुम्हारे देश में हर समय आतंकवाद होता है।' यह बात कई भारतीयों को खटकी, लेकिन सबसे सटीक जवाब शिखर धवन ने दिया। शिखर धवन ने अफरीदी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'कारगिल में भी तुम्हें हराया था, तुम्हारी हालत पहले से ही खराब है और कितना नीचे गिरोगे? हमें अपनी सेना पर गर्व है। भारत माता की जय।' शाहिद अफरीदी ने इस पर तंज कसते हुए शिखर धवन को 'चाय' ऑफर की। शाहिद अफरीदी ने ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'छोड़ो जीत-हार को, आओ तुम्हें चाय पिलाता हूं शिखर।' यह टिप्पणी विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के 2019 में पकड़े जाने के बाद पाकिस्तान द्वारा 'चाय पिलाने' की घटना की ओर इशारा करती है, जिसे भारत में अपमानजनक माना गया था। विवाद यही नहीं रुका। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में रविवार 20 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच रद्द कर दिया गया।

भारत के कई खिलाड़ियों ने कथित तौर पर इस प्रदर्शनी मैच से हटने का फैसला संवेदनशील कूटनीतिक मौकों पर, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के खिलाफ शाहिद अफरीदी की पिछली टिप्पणियों का हवाला देते हुए किया। शाहिद अफरीदी ने मैच वाले दिन मीडिया से बात करते हुए भारत के न फड़फड़ा उठे। शाहिद अफरीदी ने सीधे तौर पर शिखर धवन को इस फैसले के लिए दोषी ठहराया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान के अनुसार, शाहिद अफरीदी की मौजूदगी में शिखर धवन के खेलने से खुले तौर पर इनकार करने से भारतीय खेमे में भारी उथल-पुथल मच गई। शाहिद अफरीदी ने स्थानीय पत्रकारों से कहा, 'खेल देशों को करीब लाता है। अगर हर चीज के बीच में राजनीति आ गई तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? लेकिन आप जानते हैं कि हमेशा एक सड़ा हुआ अंडा होता है, जो सब कुछ खराब कर देता है।' शाहिद अफरीदी ने शुरुआत में शिखर धवन का नाम लिए बिना निशाना साधा और बाद में भारतीय दिग्गज को ही इस विवाद का कारण बता डाला। शाहिद अफरीदी ने शिखर धवन को 'अड़चन डालने वाला' करार दिया। शाहिद अफरीदी ने सुझाव दिया कि पूरी भारतीय टीम को आखिरी समय में हटने के बजाय भारत में ही रहना चाहिए था। अफरीदी ने कहा, 'उन्होंने मैच से एक दिन पहले अभ्यास किया था। मुझे लगता है कि उन्होंने सिर्फ एक खिलाड़ी की से मैच से हटने का फैसला किया। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। आपको देश के लिए एक अच्छा राजदूत बनना चाहिए, न कि शर्मिंदगी।'

अफरीदी के बदलते सुर: दिलचस्प यह है कि शाहिद अफरीदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खुद को एक शांतिप्रिय क्रिकेट दूत के रूप में पेश किया। अफरीदी ने कहा, 'मैं यहां क्रिकेट खेलने आया हूं, राजनीति करने नहीं। अगर वह मेरी वजह से खेलना नहीं चाहते, तो मैं घर पर ही रहता। क्रिकेट चलता रहना चाहिए था।

अफरीदी का यह बयान अप्रैल 2025 में उस विवादास्पद बयान के विपरीत था, जिसमें पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने भारत सरकार पर पाकिस्तान को बदनाम करने के लिए पहलगाम में अपने ही नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था।

सोशल मीडिया पर मचा था बवाल

एजबेस्टन में भारत बनाम पाकिस्तान मैच का रद्द होना सिर्फ टीम के आंतरिक फैसलों पर आधारित नहीं था। मैच की घोषणा के बाद भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त हंगामा मच गया। कई लोगों ने सीमा पर तनाव के बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर्स से जुड़े मैच में पूर्व भारतीय खिलाड़ियों के खेलने की नैतिकता पर सवाल उठाए। इस साल की शुरुआत में भारत द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जाने के बाद से दोनों देशों के बीच यह पहला क्रिकेट मैच था, जिसने कूटनीतिक दुश्मनी को और बढ़ा दिया था।

श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ

पन्ना। धार्मिक और आध्यात्मिक चेतना की दृष्टि से अद्वितीय मानी जाने वाली पन्ना नगरी एक बार फिर पुण्य की उस पावन धारा से अभिसिंचित हो रही है, जो श्रद्धा, भक्ति और श्रीहरि की कथा के रूप में प्रवाहित होती है।

20 जुलाई से 27 जुलाई 2025 तक, श्री जुगल किशोर जी मंदिर प्रांगण, पन्ना में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें व्यासपीठ से श्री सत्यम कृष्ण ठाकुर जी महाराज श्रीमद्भागवत का रसपूर्ण व्याख्यान दे रहे हैं। यह आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होता है, जो हरि इच्छा तक चलता है। पन्ना केवल एक भौगोलिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था का वह तीर्थ है जहाँ प्रत्येक पत्थर में श्रीहरि की छाया महसूस होती है। यहाँ के मंदिरों में चारों धामों की अनुभूति होती है और भागवत

कथा जैसे आयोजन इस नगरी की आत्मा में समाहित हैं।

इसी भूमि के हृदय में अवस्थित श्री जुगल किशोर जी मंदिर केवल मंदिर नहीं, अपितु उन दिव्य भावों का केंद्र है, जहाँ कथा कहने को कथावाचक अपना सौभाग्य मानते हैं। कुछ समय पूर्व इस मंच से राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ता और गौसेवक बृजेश जी महाराज ने कहा था – यह सपना था, जो जुगल किशोर जी की कृपा से पूर्ण हुआ। पन्ना की पुण्य भूमि में जन्मे श्री सत्यम कृष्ण ठाकुर जी महाराज बचपन से ही भजन, भागवत और भक्ति के सच्चे उपासक रहे हैं। उनकी वाणी में न केवल विद्वता है, बल्कि हृदय को स्पर्श करने वाली सरलता और आत्मीयता भी है। उनके कथा-वाचन में जहाँ तर्क है, वहाँ रस भी है – जहाँ शास्त्र है, वहाँ श्रद्धा भी।

यह आयोजन केवल कथा नहीं, अपितु कलश यात्रा से परीक्षित संवाद तक, श्रवण से आत्मानुभूति तक की एक आध्यात्मिक यात्रा है।

कथा के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई तथा बैठकी के उपरांत श्रीशुकदेव-परीक्षित संवाद का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया गया। कथा आयोजन समिति ने नगरवासियों एवं आसपास के श्रद्धालुजनों से अनुरोध किया है कि वे इस अद्वितीय आयोजन का हिस्सा बनें और श्रीकृष्ण प्रेम, भक्ति और भागवत तत्वज्ञान की इस पावन वर्षा का लाभ लें।

कीचड़ में तब्दील सड़क मार्ग

पन्ना। पवई जनपद अंतर्गत मुड़वारी ग्राम पंचायत के मजरा मोटे की मड़ैयन की सड़क मार्ग इन दिनों दल दल में तब्दील है, इस सड़क से रोजाना निकलने वाले स्कूली बच्चे और राहगीर कीचड़ में सनकर विद्यालय पहुंचते हैं। आजादी के बाद से आज तक यहां के बशिंदे नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। चुनावी बेला में तरह तरह के वादे करने वाले जन प्रतिनिधि भी इस सड़क मार्ग को लेकर मौन है। वहीं प्रशासनिक अधिकारी भी चुप्पी साधे हुए हैं। लोधी बाहुल्य इस मजरे की यह सड़क इन दिनों क्षेत्र भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। विगत दिनों मुड़वारी ग्राम पंचायत को गोद लेने वाले समाजसेवी अमित खरे भी क्षेत्र से लापता हैं। ग्राम वासियों ने पन्ना कलेक्टर से अतिशीघ्र सड़क मार्ग बनाए जाने की मांग की है।

जल भराव से परेशान नगर सुधार न्यास कॉलोनी के रहवासी

सिर्फ टैक्स ले रही नगर पालिका, सुविधाओं के नाम पर नहीं की जा रही कोई व्यवस्था

पन्ना। नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत वार्ड क्रमांक तीन की नगर सुधार न्यास कॉलोनी पार्क के पास दसों वर्षसे परेशान कॉलोनी में रहने वाले रहवासी बुनियादी सुविधाओं को लेकर परेशान हैं लेकिन नगर पालिका द्वारा कोई भी व्यवस्थाएं नहीं की जा रही हैं सिर्फ जनता से टैक्स वसूली के नाम पर। राशि ली जा रही है इसके अलावा नगर पालिका की जिम्मेवारों को आम जनता से कोई मतलब नहीं है श्र आम लोगजनप्रतिनिधियों के न्यास कॉलोनी के लोग नगर पालिका अध्यक्ष तथा सीएमओ के चक्कर लगाते हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही हैं सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा और

प्रतिवर्ष होने वाली बारिस से जल भराव की स्थिति से संघर्ष करती आ रहे है कॉलोनी में रहने वाले बच्चे महिलाएं युवा और वृद्धि जल भराव की स्थिति में जल निकासी को लेकर भी ना तो उच्च अधिकारी ध्यान दे रहे हैं और ना ही नगर बारिशके मौसम में जल निकासी की व्यवस्था तक पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है ऐसे में वहां निवास करने वाले लोगों पर संकट बना हुआ है जल भराव से मच्छर जीवजंतु उत्पन्न हो रहे हैं मकान में सीलिंग अधिक हो रही है आम रास्ते में पानीका भराव होने से जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है जब किसी व्यक्ति घर से बाहर किसी कार्य के लिए जाना होताहै तो उसे वाहन का सहारा लेना पड़ता है जब वह कहीं आ जा सकता है अब देखना है कि उच्च अधिकारी और नगर पालिका पन्ना तत्काल संज्ञान लेती है या जिस प्रकार से यहांके रहवासी संघर्ष करते आ रहे हैं वैसे ही स्थिति बनी रहेगी।

निर्धारित दर से अधिक कीमत पर शराब बेचने वालों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही : कमिश्नर

पन्ना। जिले में 1 अप्रैल से निर्धारित दर से अधिक कीमत में आज तक शराब बिक्री की जा रही है।

कार्यवाही से डर रहे है आबकारी अधिकारी,,अब कमिश्नर के आदेश के भी धज्जियां उड़ाई जाएगी,, अब तक पन्ना के इकलौता ठेकेदार ने शराब अधिक कीमत में बेचकर,करो?ड़ रूपये का लाभ कमाया है और आबकारी अधिकारी को केवल कमीशन तक सीमित रह गया है

इस पर कमिश्नर सागर संभाग शअनिल सुचारी ने शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक कीमत पर शराब बेचने वाली फर्मों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग की सभी शराब दुकानों में शासन द्वारा निर्धारित दरों और मापदण्डों के अनुरूप उपभोक्ताओं को शराब उपलब्ध होना चाहिए। कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग में अवैध शराब के विक्रय को प्रतिबंधित करने के लिए सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। कमिश्नर द्वारा अवैध शराब के विक्रय के विरुद्ध पन्ना जिले में अपेक्षित कार्यवाही नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की गई है। जल्द कार्यवाही करें।

दिव्यांग छात्रावास में दिव्यांग बच्चों के बीच मनाया जन्मदिन

पन्ना। पत्रकार एकता मंच के जिला अध्यक्ष शिवकिशोर पांडे ने अपना जन्मदिन पुराना पन्ना स्थित दिव्यांग छात्रावास में छात्रावास के बच्चों के बीच मनाया उनके साथ 6 घंटे बिताने के बाद सभी को भोजन कराया तथा उपहार भी भेंट किए श्री पांडे ने कहा कि मुझे इस प्रकार के बच्चों के साथ जन्मदिन मनाने एवं उनके साथ रहने में आनंद मिलता है क्योंकि दूसरे को आनंद देना ही सबसे बड़ा आनंद है अन्य सभी लोगों को भी दूसरों के लिए, कुछ करना चाहिए इस अवसर पर भारी संख्या में जिले के पत्रकार एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस के द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान व यातायात नियमो के प्रति आमजन को किया गया जागरूक

पन्ना। प्रदेश स्तर पर मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा ''नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। संचालित नशा मुक्ति जागरूकता अभियान अतंर्गत पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्ण एस थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चौहान व अनुविभागीय अधिकारी एस.पी.सिंह बघेल के निर्देशन में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक श्रीमती नीलम लक्षकार व यातायात पुलिस स्टाफ के द्वारा बस स्टैण्ड, डायमण्डचौराहा, पन्ना छतरपुर बाईपास मार्ग पर पोस्टर / बैनर, पम्पलेट वितरण कर आमजन

मानस को नशा दूरी बनाने व नशा न करने की समझाईश नशा न करने शपथ दिलाई गई।

साथ ही बताया गया कि तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन, ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवरलोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार है, इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे इक्युमेंट का उपयोग करना चाहिए। तथा राहगीर योजना से संबंधित बिस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राहवीर योजना के तहत वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर में नजदीकी अस्पताल, ट्रामा सेंटर पहुंचाकर मदद करने वाले व्यक्तियों को सड़क परिवहन एवं राज मार्ग मंत्रालय द्वारा 25 हजार रुपए नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिए जाने के प्रावधान है।

लापरवाह शिक्षक सुनील पाठक के खिलाफ अभिभावकों ने की कार्यवाही की मांग

पन्ना। कन्या हाई स्कूल गनौर में पदस्थ शिक्षक सुनील पाठक वजह से पूरे विद्यालय शा. कन्या हाई स्कूल गुनौर की शिक्षण व्यवस्था चौपट... शा मा शाला करिया में फर्जी तरीके से प्रयोग शाला सहायक बना, बने फर्जि प्रयोगशाला रहते हुए अटैचमेंट करवाया शा. उ. मा. वि. गुनौर में और शा. कन्या हाई स्कूल में और वहाँ से फर्जी तरीके से ट्रांसफर और प्रमोशन करा लिया। अब जाँच का विषय है की पहले संस्कृत विषय से माध्यमिक शिक्षक में प्रमोशन कैसे हुआ शा. मा. शाला सुंगरहा में भी इनकी पदस्थापना की गई थी परन्तु इनके द्वारा वहां पर प्रभार नहीं दिया गया लिया फिर अंगले वर्ष अंग्रेजी से प्रमोशन कन्या हाई स्कूल में ही हो गया तो कितने विषय से स्नातक है हैं सूत्रों के अनुसार विज्ञान विषय भी स्नातक है जबकि कक्षा 9वीं और 10 वीं की अंग्रेजी नहीं पढ़ा रहे है वहां के शिक्षकों पर अपना रौब झाड़ रहे हैं और दबाव बना रहे अभिभावकों ने इस लापरवाह शिक्षक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की माँग करते हुए अन्यत्र स्थान पर पदस्थ करने का अनुरोध जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला कलेक्टर से किया है।

विमल यादव पटवारी संघ के कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष बने जिले के पटवारी संघ में खुशी की लहर

पन्ना। जिले के वरिष्ठ पटवारी तथा पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष रहे हंसमुख मिलनसार पटवारी वर्ग के लिए संघर्ष करने वाले विमल यादव को पटवारी संघ का कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष बनाया गया है उनकी नियुक्ति पर जिले भर में खुशी का माहौल कायम है पटवारी संघ सहित अन्य वर्ग के लोगों ने भी उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी है।

31 जुलाई तक फसलों का बीमा करा सकते हैं किसान

सतना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ वर्ष 2025 हेतु बीमा इकाई-1 (तहसील इकाई), बीमा इकाई-2 (पटवारी हल्का इकाई) एवं जिला स्तर पर बीमित की जाने वाली फसलों की अधिसूचना जारी की गई है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने सतना एवं मैहर जिले के किसानों को एग्रीकल्चर इश्योरेंस कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल बीमा कराया जाना है। लेकिन ऋणी कृषकों को योजना से पृथक रहने के लिए बीमांकन की अंतिम तिथि से 7 दिवस पूर्व 24 जुलाई 2025 ओपीटी आउट का घोषणा-पत्र भर कर संबंधित बैक शाखा को देना होगा। साथ ही इसकी जानकारी (एनसीआईपी पोर्टल) पर दर्ज करना अनिवार्य है। अन्यथा उनको योजना में सम्मिलित माना जावेगा और ऐसे किसानों को बीमा बैंकों द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा। अऋणी कृषकों का बीमा स्वैच्छिक आधार पर किया जायेगा।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि कृषकों को फसलों का बीमा करने हेतु बैंकों द्वारा प्रीमियम किये जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। बैंकों द्वारा बीमित किसानों की भारत सरकार के फसल बीमा पोर्टल समय सीमा में प्रविष्टि किया जाना आवश्यक है। साथ ही यदि किसी कृषक द्वारा गत वर्ष बोई गई फसल में परिवर्तन किया गया है तो किसान द्वारा संबंधित बैंक से सम्पर्क कर बीमांकन की अंतिम तिथि के 2 दिन पूर्व यानि 29 जुलाई 2025 तक बोई गई वास्तविक फसल की जानकारी बैंकों को उपलब्ध कराये। बैको द्वारा राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर बीमांकन एवं दिए गए इन्टरफेस च्त-व्रवस के माध्यम से प्रीमियम की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2025 है। प्रधानमंत्री फसल बीमा पोर्टल अनुसार खरीफ 2025 में 20 जुलाई 2025 की स्थिति में फसल बीमा की प्रगति गतवर्ष की अपेक्षा सतना जिले में मात्र 26.10 प्रतिशत एवं मैहर जिले में मात्र 27.70 प्रतिशत है जो कि अल्प है। जिले के समस्त बैंकों को प्रगति बढ़ाने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें ताकि समय-सीमा में समस्त पात्र कृषकों के फसल बीमा हो सकें।

आदर्श ग्राम जरौहा में नर्सरी की स्थापना

सतना। म.प्र. जन अभियान परिषद रामनगर विकासखंड की नवांकुर संस्था संस्कार ग्राम विकास समिति जरौहा द्वारा आदर्श ग्राम जारोहा में नर्सरी की स्थापना की गई है। जिसका संचालन संस्था के अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के द्वारा किया जा रहा है। नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम की तैयारी हेतु नर्सरी में विभिन्न प्रजाति के 1200 पौधे तैयार किए गए है। जिन्हें 26 जुलाई को आयोजित कार्यक्रम में सखियों के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की योजना बनाई गई है। हर घर पौधा, घर घर पौधा के उद्देश्यों को लेकर आदर्श ग्राम जरौहा पर्यावरण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में किया जा रहा है।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 26 जुलाई को

सतना। जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता में 26 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे आयोजित की गई है। सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने संबंधित विभाग प्रमुख अधिकारियो को बैठक मे उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। दिशा की बैठक में पूर्व बैठक की कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन, स्मार्ट सिटी सतना के निर्माण कार्य, जो निर्माण कार्य अभी चल रहे है उनकी आद्तन स्थिति, कार्यों की गुणवत्ता की प्राप्त शिकायतों के निराकरण, सायकल ट्रैक के निर्माण कार्य की उपयोगिता, जो निर्माण कार्य कराये गये है उसकी गाइड लाइन, एनएचआई मैहर से सतना-चित्रकूट के निर्माण कार्यों, एनएचपीडब्ल्यूडी केन्द्र सरकार की वित्तीय सहायता से सडक निर्माण बेला से सतना, नागौद से जसो सलेहा निर्माण कार्यों, बमीठा से सतना राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण संबंधी स्वीकृत, एमपीआरडीसी (शहडोल) सतना, तिघरा से उचेहरा, मैहर सरला नगर, बरही, उमरिया रोड के निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की योजनावार संख्या की जानकारी, सतना में चल रहे रेलवे निर्माण कार्यों, सतना हवाई अड्डे के विस्तार के संबंध में अब तक की प्रगति, बरगी बांध से दांयीतट पर नहर तथा जल जीवन मिशन द्वारा निर्माणाधीन हर घर नल से जल योजना की समीक्षा की जायेगी।

सेन समाज विकास संगठन के नए प्रदेश अध्यक्ष बने अशोक सेन, समाज में हर्ष की लहर

मैहर। 19 जुलाई 2025 सेन समाज विकास संगठन की प्रदेश इकाई को नया नेतृत्व मिल गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी एस राजौरिया जी ने आदरणीय अशोक सेन जी को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

समाजसेवी, अनुशासित नेतृत्वकर्ता और संगठनात्मक क्षमताओं से भरपूर अशोक सेन जी की नियुक्ति पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।

हर्ष व्यक्त करने में मुख्य रूप से माखन दाऊ कार्यकारी अध्यक्ष, जगदीश सेन प्रदेश उपाध्यक्ष,किरण सेन सतना, राजाराम सेन युवा प्रदेश अध्यक्ष, राजेश सेन प्रदेश सचिव,किशोरी लाल नापित छतरपुर, लाला भाई नगर अध्यक्ष सतना, मुकेश सेन जिलाध्यक्ष मैहर, बृजेश सेन ब्लाक अध्यक्ष अमरपाटन, सुभाष सेन ब्लाक अध्यक्ष रामनगर, रमेश सेन कार्यकारी अध्यक्ष मैहर,विनोद सेन सतना,रामचरित सेन नागौद,सुधा सेन,अभिषेक सेन(मीडिया प्रभारी)एवं मैहर सेन समाज विकास संगठन की ओर से अशोक सेन जी को हार्दिक शुभकामनाएं एवं उज्वल कार्यकाल की मंगलकामनाएं कर बधाई दी है।

राज्यमंत्री के स्व. दादाजी को दी गई श्रद्धांजलि

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सोमवार को ग्राम हरदुआ पहुंचकर पूज्य दादाजी स्व. श्री जीवनदास बागरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल, रमाकांत गौतम, तारा पटेल, विजय पटेल, श्यामलाल गुप्ता, विजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधि तथा स्थानीय जनों ने भी स्व. श्री जीवनदास बागरी के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

शिकायतकर्ता से बात करें, संतुष्टिपूर्ण तरीके से करे निराकरण : कलेक्टर

सतना। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की संपन्न बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि राजस्व सहित सभी विभागों के संबंधित अधिकारी सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण करते समय शिकायतकर्ता से बात करें तो संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत बढेगा। उन्होंने राजस्व की 1400 से अधिक लंबित शिकायतों को तहसीलवार विभाजित कर हल्कावार पटवारियों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये। इस मौके पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम एपी द्विवेदी, जितेन्द्र वर्मा, अपर कलेक्टर सुधीर बेक, एसडीएम एलआर जांगडे, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा, सोमेश द्विवेदी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित

थे। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कहा कि सोमवार को अपरान्ह तक ग्रेडिंग होने के पूर्व सभी एल वन और एल टू अधिकारी शिकायतकर्ताओं से बातचीत कर अधिक से अधिक शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग की 1400 से अधिक शिकायतें 50 दिवस से ऊपर की लंबित है। इन्हें तहसीलवार बांट कर पटवारियों को हल्कावार निराकरण की जिम्मेदारी दें। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की 496 शिकायतें 50 दिवस से ऊपर लंबित होने पर सीएमएचओ को निराकरण करने के निर्देश दिये दिये।

आपदा राहत, बाढ राहत के कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 13 प्रकरण आर.बी.सी. में आपदा मृत्यु के प्राप्त हुए है। आपदा राहत के प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अनुसार मिलने वाली राहत राशि भुगतान में विलंब नहीं होना चाहिए। कलेक्टर ने शेष जुलाई माह में हुई मृत्यु के प्रकरणों में अगले दो-तीन दिनों में राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जून माह में ब्रम्हकुण्ड की घटना और 26 जून को उचेहरा में बिजली गिरने से हुई राजकुमारी कोल की मृत्यु पर राहत राशि अभी तक भुगतान नहीं होने पर कलेक्टर ने एसडीएम मझगवां और उचेहरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। रेल्वे के अंर्तविभागीय विषयों पर चर्चा के दौरान कलेक्टर ने मूल अवार्ड में सतरी बगहाई की मुआवजा राशि का वितरण नहीं हो पाने पर रामपुर बघेलान के एसडीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। हिट एण्ड रन के लंबित 61 प्रकरणों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम व्यक्तिगत रूप से देखे और तहसीलदार से बातचीत कर आवश्यक अभिलेखों की पूर्ति कराये।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 22 जुलाई 2025 | 8

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने मऊगंज जिले के जनपद पंचायत हनुमना अन्तर्गत ग्राम पंचायत ढ़ावा तिवरियान में बाढ़ प्रभावितों से संवाद किया तथा राहत एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक की शिकायतों का तत्काल निराकरण करें

टूरिज्म कॉन्क्लेव की तैयारियाँ समय पर कर लें : डॉ सोनवड़े

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा की। डॉ सोनवड़े ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, पीएचई विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तत्परता से आवेदन का निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में अभी भी कई प्रकरण बिना किसी कार्यवाही के एल-1 से एल-2 अधिकारी के पास जा रहे हैं। प्रकरण के नॉन अटेंडेड रहने पर एल-1 अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही करें। कई विभागों में एल-3 स्तर पर भी बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में ध्यान न देने वाले अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय करके कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान में जिन विभागों को वृक्षारोपण के लक्ष्य दिए गए हैं वे नियमित रूप से पौधे रोपित करके 31 जुलाई तक लक्ष्य पूर्ति करें। रोपित पौधों की जानकारी वायुदूत ऐप में दर्ज कराएं। जिला शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा उप संचालक कृषि वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दें। रीवा में 26 और 27 जुलाई को टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। इससे जुड़े अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। सभी अधिकारी कॉन्क्लेव की तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा सेतु शहर की प्रमुख सड़कों और फ्लाईओवर में तत्काल आवश्यक सुधार, साफ-सफाई तथा रंगरोगन का कार्य कराएं।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि जिला खनिज अधिकारी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रेत तथा अन्य खनिज पदार्थों के अवैध भण्डारण पर तत्काल कार्यवाही करें। ग्राम बड़ी डीह में संक्रामक बीमारी से बचाव के लिए मेडिकल टीम तैनात है तथा पीएचई विभाग द्वारा पेयजल स्रोतों का शुद्धीकरण किया गया है। गांव तक आवागमन सुगम बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क में सुधार का कार्य किया जा रहा है। सड़क सुधार के लिए वन विभाग आवश्यक अनुमति देकर सहयोग करे। बैठक में जलभराव से क्षतिग्रस्त मकानों के सर्वेक्षण तथा राहत राशि के प्रकरण बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में कृषि आदान, खाद के वितरण, संक्रामक रोगों से बचाव तथा प्राकृतिक आपदा से राहत और बचाव के प्रबंधों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुनरीक्षित नल-जल योजनाओं का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने नल-जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि एकल नल-जल योजनाओं में पुनरीक्षित नल-जल योजनाओं के कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। स्वीकृत कार्यों में निविदा की कार्यवाही पूरी करके तत्काल कार्य शुरू कराएं। पुनरीक्षित नल-जल योजनाओं में 154 गांवों के कार्य कराने के लिए पूर्व की निर्माण एजेंसियाँ सहमत हैं। इनका कार्य तत्काल शुरू कराएं। अभी केवल 36 कार्यों की निविदा जारी हुई है। शेष कार्यों की भी निविदा तीन दिन में जारी कराएं। समय सीमा में कार्य पूरा न करने वाली निर्माण एजेंसियों को ब्लैक लिस्टेड कराने की कार्यवाही करें। जिन गांवों में निर्माण एजेंसियों ने कार्य करने में असहमति व्यक्त की है उनके टेण्डर तत्काल जारी कर दें। कमिश्नर ने कहा कि नल-जल योजनाओं के टेण्डर जारी होने से

लेकर कार्य पूरा होने के प्रत्येक चरण की सघन मानीटरिंग और फालोअप करें।

पूर्ण नल-जल योजनाओं से घरों में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कनेक्शन भी 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से करा दें। जल भराव के कारण तथा वर्षा के कारण पेयजल स्रोत यदि दूषित हो गए हैं तो उन्हें तत्काल साफ कराकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करें। जिले भर में अभियान चलाकर पेयजल स्रोतों में क्लोरिनेशन कराएं। दूषित पानी अथवा उल्टी-दस्त की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर पेयजल स्रोतों का शुद्धीकरण कराएं। बैठक में अधीक्षण यंत्री महेन्द्र सिंह ने नल-जल योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री मेकेनिकल डीएल कनेल तथा सहायक यंत्री उपस्थित रहे।

राजस्व अधिकारी संवाद से समाधान अभियान में कर रहे समस्याओं का निदान

रीवा। जिले भर में राजस्व विभाग द्वारा संवाद से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत राजस्व अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण करके सीमांकन, अतिक्रमण, रास्ता रोकने तथा अन्य विवादों का मौके पर सुनवाई करके निराकरण कर रहे हैं। इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम भरूहिया में तहसीलदार ने मौके पर कार्यवाही करके जमीन के विवाद का निराकरण किया। तहसील जवा के ग्राम पांती में नायब तहसीलदार राजेश शुक्ला ने विवाद के कारण बंद रास्ते को खुलवाकर विवाद

का समाधान किया। जवा तहसीलदार जितेन्द्र तिवारी ने ग्राम कुश्मेदा में विवाद के कारण बंद रास्ते को खुलवाया तथा 18 प्रकरणों का मौके पर निरीक्षण किया। एसडीएम सेमरिया पीके पाण्डेय ने ग्राम डीह तथा ग्राम पड़री में बारिश से क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण कर मौके पर सर्वे कार्य शुरू कराया। एसडीएम मनगवां संजय जैन तथा नायब तहसीलदार दिलीप श्रीवास्तव ने ग्राम कोष्टा और सिरखिनी में हाइवे से अतिक्रमण हटाने तथा ग्राम पड़रा तथा चोरगड़ी में बारिश में क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया। तहसीलदार गुढ़ ने संवाद से समाधान कार्यक्रम में ग्राम गेरूई में क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण कर सर्वे कार्य शुरू कराया। एसडीएम त्योंथर प्रभाशंकर त्रिपाठी ने ग्राम पंचायत बहरइचा, गाड़रपुरवा और रेरूआ में बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया तथा सर्वे कार्य की जानकारी दी।

दस्तक अभियान में हर शिशु के स्वास्थ्य की जाँच करें : डॉ सोनवड़े

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में दस्तक अभियान के तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने कहा कि जिले में 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक डायरिया नियंत्रण तथा दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान में 5 साल तक के दो लाख 88 हजार 288 बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। इनमें से यदि कोई बच्चा गंभीर रूप से बीमार और कुपोषित पाया जाता है तो उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती करके समुचित उपचार की सुविधा दी जाएगी। अभियान के दौरान पाँच

साल तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी तथा उनमें एनीमिया की जाँच भी की जाएगी। अभियान में मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग शामिल हैं। इसे सफल बनाने में ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय, पीएचई तथा स्कूल शिक्षा विभाग भी पूरा सहयोग करे। दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय से प्रयास करें। अभियान के दौरान चिन्हित पाँच साल तक के सभी बच्चों की जाँच अनिवार्य रूप से कराएं।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि अभियान के दौरान तैनात दल प्रत्येक गांव में घर-घर भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान शिशुओं और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा एवं टीकाकरण के लिए परिवार को जागरूक करें। साफ-सफाई एवं पोषण आहार के संबंध में भी उन्हें उचित सलाह दें। अभियान के दौरान हाईरिस्क नवजात शिशुओं का चिन्हांकन करके उनके नियमित उपचार और फालोअप की व्यवस्थ सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला स्तर तथा विकासखण्ड स्तर पर टीमें तैनात करके अभियान की सतत मानीटरिंग करें। शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के प्रयास दस्तक अभियान की सफलता से ही निर्धारित होंगे।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर आज से

रीवा। सीएम हेल्पलाइन में बड़ी संख्या में 50 दिन से अधिक समय से शिकायतें लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में 22 जुलाई से 24 जुलाई तक तीन दिवसीय शिविर लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा है कि जिन विभागों के सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से प्रकरण लंबित हैं उनके एल-1 और एल-2 अधिकारी शिविर में उपस्थित होकर लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण के लिए तथ्यपूर्ण प्रतिवेदन तैयार करके जिला प्रबंधक लोकसेवा को उपलब्ध कराएं। कार्यालय प्रमुख एल-3 अधिकारियों के समक्ष भी प्रकरणों के प्रतिवेदन प्रस्तुत करके उनका निराकरण करें।

हिनौती गौधाम में क्षमता से अधिक गौवंश को प्रवेश न देने के निर्देश

रीवा। अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर ने हिनौती गौधाम प्रबंधक को निर्देश दिये हैं कि गौधाम में क्षमता से अधिक गौवंश को प्रवेश न दिया जाय। उन्होंने कहा है कि हिनौती गौधाम में अतिरिक्त शेड निर्माण का कार्य प्रगति पर है तथा वर्तमान में गौवंश की पर्याप्त संख्या है। जब तक अतिरिक्त शेड नहीं बन जाते तब तक अतिरिक्त गौवंश को गौधाम में प्रवेश न दिया जाय।

कौशल प्राप्त युवाओं से ही देश बनेगा समृद्ध : मिश्र

रीवा।. कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान द्वारा चाकघाट एवं गढ़ में कौशल प्रशिक्षण केन्द्र उद्घाटन पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में देश के आधी आवादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं से कहा की जब तक हमारे देश की महिलाएँ आत्मनिर्भर नहीं होगी तब तक न हमारा समाज और न देश विकास कर पायेगा। आज आवश्यकता है कि शिक्षण के साथ-

साथ अपने रूचि के अनुसार किसी न किसी पाठ्क्रम में कौशल हासिल करें, जिससे हमें बेरोजगारी के लाइन में खड़ा न होना पड़े। संस्थान के निर्देशक सुनील शुक्ला ने संस्थान के उद्देश्यों संचालित होने वाले प्रशिक्षण पाठ्क्रमों एवं स्वरोजगार के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन शिक्षण संस्थान देशभर में रोजगार, आजीविका और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने में एक मजबूत स्वंभ की भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच इन संस्थानों ने 30 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण देकर ग्रामीण और वंचित समुदायों के लिए आजीविका के नए द्वार खोले है। यह संस्थान न केवल कौशल विकास को जमीनी स्तर तक ले जा रहे हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार कर रहा है। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी सीमा तिवारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी राज्यवर्धन तिवारी, राजेश गौतम, प्रशिक्षिका श्रीमती दीपिका नामदेव एवं रीता गुप्ता तथा श्रीमती सरोज तिवारी एवं स्थानीय जन उपस्थिति रहे।

किसान 31 जुलाई तक करा सकते हैं अपनी फसल का बीमा

रीवा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों के लिये बीमा पंजीयन प्रारंभ हो गया है। किसान अपनी खरीफ फसल का 31 जुलाई तक बीमा करा सकते हैं। खरीफ मौसम में सभी दलहन, तिलहन फसलों का 2 प्रतिशत प्रीमियम किसान को देना होगा शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास यूपी बागरी ने बताया कि योजना के प्रावधान अधिसूचित क्षेत्रो में अधिसूचित फसले उगाने वाले बटाईदारो और कास्तकारो सहित किसान अपनी फसलो का बीमा कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र है। योजना सभी कृषको हेतु स्वैच्छिक रखी गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषको की फसलो का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा । अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलो का प्रधानमंत्री फसल बीमा फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले की समस्त सहकारी समितियों प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित कामन सर्विस सेन्टर (सी.एस.सी.) जिले के समस्त बैंक, काप इन्योरेन्स रैप, फसल बीमा पोर्टल के माध्यम से एवं कृषक स्वयं फसल बीमा पोर्टल बीमा पर जाकर पंजीयन 31 जुलाई तक करवा सकते है। अऋणी कृषक भू-अधिकार पुस्तिका की एवं बी-1 छायाप्रति, पहचान पत्र आधार कार्ड, बैंक पासबुक, बुआई प्रमाण की प्रति (पटवारी/कृषि विस्तार अधिकारी/सरपंच/सचिव द्वारा सत्यापित) या स्वयं सत्यापित मोबाइल नंबर के साथ बीमा पंजीयन करा सकते हैं।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत छात्रो के माता-पिता अभिभावकों को सम्मिलित कर किया गया जागरूकता कार्यक्रम

रीवा। नशे से दूरी है जरूरी" अभियान के तहत स्कूल/कॉलेज एवं शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता हेतु चित्रकला, निबंध, पेंटिग, स्लोगल, रंगोली,पोस्टर, प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्रो के माता-पिता/अभिभावकों सम्मिलित कर जागरूकता कार्यक्रमकिया गया।जिसमें छात्रो के माता-पिता/अभिभावकोंकी सम्मिलित सहभागिता रही "नशे से दूरी है जरूरी"एक राज्य स्तरीय जन-जागरूकता अभियान है। जिसका लक्ष्य बच्चों, युवाओं

और समुदाय को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाना और समाज में नशा-मुक्त वातावरण का निर्माण करना है। नशे के संबंध में शैक्षणिक संस्थानों में निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, पेंटिंग,, स्लोगन लेखन, रंगोली, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता।

इनके माध्यम से छात्रों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों, इससे बचाव, जागरूकता व सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को उजागर करने के लिए प्रेरित किया किया गया। छात्र-छात्राओं के अभिभावकों/माता-पिता की सहभागिता रही। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों को जोड़कर नशे के दुष्प्रभावों एवं बचाव पर एक सूचना-सत्र/संवाद कर नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाई गई।

अपील-जनमानस से निवेदन है कि नशे से दूर रहें एवं अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग दें। अभियानमें स्वस्थ, समृद्ध और नशामुक्त समाजको आगे बढ़ाने का सशक्त प्रयास है। मीडिया व नागरिकों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक लोगों तक इस संदेश को पहुँचाए।

मऊगंज की जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति गठित

मऊगंज। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा दिये गये निर्देश के परिपालन में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने मऊगंज की जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति का गठन किया है। यह समिति निवेश प्रोत्साहन के साथ ही एक जिला एक उत्पाद के चयन एवं कार्ययोजना बनाने का कार्य करेगी। गठित समिति के अध्यक्ष कलेक्टर होंगे तथा सदस्य सचिव महाप्रबंधक जिला औद्योगिक केन्द्र मऊगंज को बनाया गया है। सदस्य के तौर पर पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, संयुक्त कलेक्टर, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विकास, उप संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण व सहायक आयुक्त वाणिज्यकर को शामिल किया गया है।

पार्किंग स्टैण्ड संचालन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

रीवा। नवीन जिला न्यायालय परिसर रीवा में वाहन पार्किंग स्टैण्ड संचालन के लिए 31 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक प्रस्ताव आमंत्रित हैं। निर्धारित शर्तों की पूर्ति के साथ पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। प्रस्ताव के आधार पर नीलामी की कार्यवाही एक अगस्त को सुबह 11 बजे से जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा में की जाएगी। इस संबंध में विवरण वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू एमपीएचसी डॉट जीओभी डॉट इन/टेण्डर एवं डिस्ट्रिक्ट डॉट ई कोर्ट डॉट जीओभी डॉट इन/इंडिया/ एमपी/रीवा/टेण्डर पर देखा जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17,** दूरभाष : 09424315633,7389444833